श्रावण शुक्ल पक्ष -9, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 46 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
21 अगस्त 2026 शुक्रवार

आज का मौसम
28.1 अधिकतम
23.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

वंदे मातरम् पर ऐसा फैसला... कांग्रेस ने फिर कर डाला सेल्फ गोल!

यह इतिहास, राजनीति और राष्ट्रीय मानस का सवाल

भाजपा को तो कांग्रेस ने बैठे-बिठाए मुद्दा दे दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस के फैसले को तुष्टीकरण की राजनीति से जोड़ते हुए तीखा हमला किया और इसे 'राष्ट्रविरोधी' तक बताया। भाजपा के दूसरे नेताओं ने भी कांग्रेस को घेरा है। कांग्रेस का जवाब है कि भाजपा एक ऐतिहासिक और भावनात्मक मुद्दे को राजनीतिक रंग दे रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह भी तर्क दिया है कि वह वही संस्करण गा रहे हैं जिसे महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और अन्य नेताओं की परंपरा से जोड़ा जाता है। लेकिन राजनीति में केवल नियत नहीं, धारणा भी महत्वपूर्ण होती है।

15 अगस्त को लाल किले से वंदे मातरम् का गायन और उसके 150वें वर्ष का राष्ट्रीय आयोजन इस गीत को फिर से राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला चुका है। ऐसे समय कांग्रेस अगर कहती है कि उसके मंचों पर केवल दो अंतरे ही गाए जाएंगे, तो भाजपा के लिए इसे तुष्टिकरण की राजनीति बताना बेहद आसान हो जाता है। कांग्रेस के लिए मुश्किल यह है कि इस समय उसके पास भाजपा को घेरने के लिए महंगाई, बेरोजगारी, चुनावी पारदर्शिता, संस्थागत सवालों और जनहित के मुद्दों की लंबी सूची है। फिर वंदे मातरम् जैसे भावनात्मक राष्ट्रीय प्रतीक के मामले में खुद को रक्षात्मक स्थिति में ले जाने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी?

मैं पहले भी कह चुका हूं कि जब-जब भाजपा किसी मुद्दे पर बैकफुट पर आती दिखाई देती है और कांग्रेस या उसके युवराज को राजनीतिक उड़ान भरने का अवसर मिलता है, कांग्रेस कई बार ऐसा सेल्फ गोल कर देती है कि उसका फायदा विरोधी को मिल जाता है। एक बार फिर कुछ ऐसा ही दिखाई दे रहा है। वंदे मातरम् केवल छह अंतरों का गीत नहीं है। यह स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृति है। यह उस दौर की आवाज है जब एक गीत ने लोगों के भीतर गुलामी के खिलाफ प्रतिरोध की चेतना पैदा की थी। इसलिए इसके कितने अंतरे गाए जाएं, यह महज संगीत का सवाल नहीं है। यह इतिहास, राजनीति और राष्ट्रीय मानस का सवाल है।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150वें वर्ष में जब पूरा देश उसके इतिहास, विरासत और स्वतंत्रता आंदोलन में उसकी भूमिका को नए सिरे से याद कर रहा है, तब कांग्रेस का अपने कार्यक्रमों में केवल इसके पहले दो अंतरों के गायन तक सीमित रहने का फैसला कई सवाल खड़े करता है। 19 अगस्त को कांग्रेस कार्यसमिति ने 1937 के अपने पुराने निर्णय पर कायम रहने का फैसला किया। यानी कांग्रेस के कार्यक्रमों में आगे भी वंदे मातरम् के शुरुआती दो अंतरे ही गाए जाएंगे।

वंदे मातरम् पर पुस्तक लिख चुके मध्यप्रदेश के पूर्व आईएएस अधिकारी मनोज श्रीवास्तव कहते हैं 'वंदे मातरम् प्रकृति, संस्कृति और आमजन को जोड़ने वाला गीत है। शुरुआती दो छंदों में प्रकृति और मातृभूमि का वर्णन है, बीच के छंदों में जन और अंतिम छंदों में भारतीय सांस्कृतिक प्रतीकों का उल्लेख आता है। उनकी दलील है कि किसी रचना को उसकी संपूर्णता से अलग कर देने पर उसकी आत्मा और उसका भाव-संदर्भ दोनों कमजोर हो जाते हैं। '

बात केवल गीत के कितने अंतरे गाए जाएं, इतनी भर नहीं है। सवाल यह है कि जिस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन में करोड़ों भारतीयों को प्रेरित किया, उसके साथ आज की स्वतंत्र भारत की राजनीति कैसा व्यवहार करती है? कांग्रेस का तर्क है कि वह 1937 में लिए गए अपने ऐतिहासिक निर्णय की परंपरा का पालन कर रही है। उस समय कांग्रेस के भीतर यह विचार था कि शुरुआती दो अंतरों में मातृभूमि और उसकी प्राकृतिक सुंदरता का वर्णन है, जबकि बाद के अंतरों में दुर्गा जैसे धार्मिक-सांस्कृतिक प्रतीकों का उल्लेख आता है। इसलिए सार्वजनिक राजनीतिक कार्यक्रमों में शुरुआती दो अंतरों को स्वीकार किया गया था। लेकिन सवाल यही है- क्या 1937 की राजनीतिक परिस्थितियों को 2026 के स्वतंत्र भारत पर उसी रूप में लागू किया जा सकता है? तब भारत गुलाम था। आज भारत एक संप्रभु गणराज्य है। तब कांग्रेस स्वतंत्रता आंदोलन का राजनीतिक मंच थी। आज वह संविधान के तहत काम करने वाला एक प्रमुख राजनीतिक दल है। परिस्थितियां बदल चुकी हैं, देश बदल चुका है और राष्ट्रीय प्रतीकों को देखने का संवैधानिक संदर्भ भी बदल चुका है। 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने स्पष्ट किया था कि स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक भूमिका निभाने वाले वंदे मातरम् को जन गण मन के समान सम्मान दिया जाएगा। सरकार ने भी 2026 में इसके 150वें वर्ष के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर विशेष आयोजन किए हैं। स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से पहली बार वंदे मातरम् के गायन को भी इसी विरासत से जोड़ा गया।

यहीं से कांग्रेस के फैसले का राजनीतिक अर्थ पैदा होता है। 2026 के संशोधित कानून ने वंदे मातरम् को राष्ट्रीय सम्मान से जुड़ी वही कानूनी सुरक्षा दी है जो पहले राष्ट्रीय गान को हासिल थी। कानून जानबूझकर राष्ट्रीय गीत के गायन को रोकने या उसके गायन में लगे समूह में व्यवधान पैदा करने को दंडनीय बनाता है। लेकिन यह कानून हर व्यक्ति या हर राजनीतिक दल के लिए पूरे छह अंतरे गाना अनिवार्य नहीं करता। इस अंतर को समझना जरूरी है। कांग्रेस का दो अंतरे गाने का फैसला अपने आप में कानून तोड़ना नहीं है। लेकिन राजनीतिक संदेश के स्तर पर यह फैसला जरूर सवाल खड़े करता है। साथ ही यह प्रश्न भी उठता है कि क्या किसी कवि बंकिमचंद्र चटर्जी की मूल रचना के साथ इस तरह का चयनात्मक व्यवहार उसकी साहित्यिक संपूर्णता के साथ न्याय करता है या नहीं। क्या कांग्रेस यह संदेश देना चाहती है कि वह 1937 के अपने निर्णय को आज भी उतना ही प्रासंगिक मानती है? क्या उसे लगता है कि पूरे वंदे मातरम् के गायन से किसी वर्ग की धार्मिक भावनाएं आहत हो सकती हैं? और यदि ऐसा है तो आज के भारत में इस आशंका का समाधान संवाद से होना चाहिए या 89 वर्ष पुराने राजनीतिक निर्णय को फिर से सामने लाकर?

किसी कवि की मूल रचना में संपादकीय चयन को लेकर साहित्यिक बहस हो सकती है, लेकिन यहां उससे भी बड़ा प्रश्न राजकीय और राष्ट्रीय प्रोटोकॉल तथा राजनीतिक दलों की वैचारिक दिशा का है। कांग्रेस के कार्यक्रमों में कौन-सा संस्करण गाया जाए, यह उसका आंतरिक निर्णय है, लेकिन जब वह निर्णय राष्ट्रीय प्रतीक की व्यापक भावना से टकराता हुआ प्रतीत होता है, तो वह केवल संगठनात्मक नहीं, राजनीतिक मुद्दा बन जाता है। और यहीं कांग्रेस के फैसले की सबसे बड़ी राजनीतिक कमजोरी दिखाई देती है।कांग्रेस को तय करना होगा कि वह 1937 की कांग्रेस है या 2026 की कांग्रेस। क्योंकि आज का भारत उस भारत से बहुत आगे निकल चुका है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब पूरा देश अपने राष्ट्रीय गीत की 150वीं वर्षगांठ मना रहा हो, जब उसकी ऐतिहासिक भूमिका को राष्ट्रीय स्तर पर फिर से सामने लाया जा रहा हो, तब कांग्रेस ने आधे गीत के साथ अपनी पूरी राजनीति दांव पर लगाने का फैसला आखिर क्यों किया?

न्यूज विंडो

अमेरिका के अलास्का में चार्टर्ड प्लेन क्रैश दो पायलट समेत सभी 8 लोगों की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के पश्चिमी अलास्का में बड़ा हादसा हो गया है, जहां 8 लोगों को ले जा रहा रिमोट रडार साइट के पास एक चार्टर्ड प्लेन क्रैश हो गया। घटना के तुरंत बाद मौके पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अलास्का के नेशनल ट्रांसपोर्ट सेफ्टी बोर्ड के अध्यक्ष क्लिंट जॉनसन के अनुसार, विमान में दो पायलट और 6 यात्री थे।इस हादसे प्लेन में सवार पायलट समेत सभी 8 लोगों की मौत हो गई।

हत्याकांड से मनी लॉन्ड्रिंग तक: सांसद रेड्डी के छह ठिकानों पर ईडी की रेड

हैदराबाद। प्रवर्तन निदेशालय ने वाई.एस. विवेकानंद रेड्डी हत्याकांड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आज आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में छह ठिकानों पर तलाशी ली। इनमें वायएसआरसीपी सांसद वाई.एस. अविनाश रेड्डी और उनके पिता वाई.एस. भास्कर रेड्डी से जुड़े परिसर भी शामिल हैं। ईडी 4 करोड़ रुपये के कथित भुगतान समेत हत्या से पहले हुए वित्तीय लेनदेन और पैसों की आवाजाही की जांच कर रही है।

वृंदावन में बड़ा हादसा, ओमैक्स मॉल में शटरिंग गिरने से तीन की मौत

वृंदावन। यूपी के वृंदावन में बन रहे रुकमणि विहार स्थित ओमैक्स के निर्माणाधीन मॉल में आज सुबह बड़ा हादसा हो गया। शटरिंग गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। एक मजदूर गंभीर रूप से घायल है। उसे आगरा रेफर किया गया है। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस के साथ फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे हैं।

बीना यार्ड रीमॉडलिंग के चलते 16 ट्रेनें निरस्त: कई के रूट और नंबर बदले

भोपाल। बीना रेलवे स्टेशन यार्ड के रीमॉडलिंग कार्य के चलते सितंबर-अक्टूबर में ट्रेनों के संचालन में किए गए बदलाव को रेलवे ने अब आंशिक रूप से संशोधित किया है। कुछ ट्रेनों के नंबर बदल दिए गए हैं, कई ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाने के साथ यात्रियों की सुविधा के लिए मालखेड़ी, भोपाल, कटनी और कटनी साउथ स्टेशन पर अस्थाई ठहराव दिया गया है। कुछ मेमू ट्रेनों के प्रारंभ और समापन स्टेशन में भी बदलाव किया गया है।

आज का कार्टून

बारिश का रौद्र रूप... लोगों से नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील

नर्मदा-मंदाकिनी खतरे के निशान से ऊपर 16 जिलों में आज भी डराने वाला अलर्ट

भोपाल/ जबलपुर, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में मानसून एक बार फिर आफत बनकर बरस रहा है। प्रदेश के पूर्वी हिस्से में सक्रिय मजबूत मानसूनी सिस्टम के चलते कई जिलों में लगातार बारिश हो रही है। सक्रिय सिस्टम से डिंडौरी, पन्ना, रीवा, सतना, छतरपुर समेत कई जिलों में बाढ़ के हालात हैं। नर्मदा, मंदाकिनी जैसी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पन्ना ,मैहर और डिंडौरी के स्कूलों में आज छुट्?टी कर दी गई है। डिंडौरी में आंगनवाड़ियां भी बंद हैं। प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। जबलपुर के भेड़ाघाट में नर्मदा का स्तर बढ़ने से धुआंधार जलप्रपात दिखाई नहीं दे रहा है। पन्ना में केन, मिढ़ासन, व्यारमा और पतने नदी उफान पर हैं। तेंदुघाट बांध के 5 गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है।

मैहर में गुरुवार देर रात मर्जुआ नाले को पार करने के दौरान एक ट्रक पानी में फंस गया। स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने ट्रक ड्राइवर राकेश साहू और क्लीनर इंद्रकमल द्विवेदी को बचाया। आज निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर समेत 16 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग के मुताबिक, यहां अगले 24 घंटे में 4 से 8 इंच तक पानी गिर सकता है। ग्वालियर, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, सागर, दमोह, पन्ना, सीधी और सिवनी में भारी बारिश का अलर्ट है।

जबलपुर में भारी बारिश के बाद नर्मदा नदी में आए उफान से घाट किनारे बने सभी मंदिर जलमग्न हो गए।

मैहर-डिंडौरी और पन्ना में स्कूलों की छुट्टी

भेड़ाघाट में दिखाई नहीं दे रहा धुआंधार जलप्रपात

पन्ना में बृहस्पति कुंड में लगातार आ रहा है पानी

भोपाल और आसपास हल्की बारिश

भोपाल, सीहोर, राजगढ़, इंदौर, धार, अलीराजपुर, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, झाबुआ, उज्जैन, नीमच, आगर-मालवा, मंदसौर, शाजापुर, देवास, रतलाम, बैतूल, हरदा, मुरैना, भिंड, श्योपुर, जबलपुर, कटनी, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, पांढुर्णा, रीवा, सतना, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया और अनूपपुर में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश का दौर जारी रह सकता है। मौसम विशेषज्ञ शैलेंद्र कुमार नायक के अनुसार मानसून टर्फ समेत अन्य सिस्टम के एक्टिव होने से एमपी के पूर्वी हिस्से में भारी बारिश हो रही है। 20 से 24 अगस्त के दौरान वर्षा गतिविधि के धीरे-धीरे मध्य और पश्चिमी मध्य प्रदेश की ओर विस्तार के संकेत मिल रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में भी सैलाब

उत्तर प्रदेश में भी लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। 13 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। गंगा, घाघरा, शारदा, टोंस, सोन और मंदाकिनी नदी खतरे के निशान को पार कर गई हैं। हिमाचल प्रदेश में इस मानसून के दौरान बारिश, लैंडस्लाइड, बाढ़ और अन्य घटनाओं में 219 लोगों की मौत हुई है। इनमें सबसे ज्यादा 131 मौतें सड़क दुर्घटनाओं में हुईं। राजस्थान में पिछले कुछ दिनों से ज्यादातर इलाकों में बारिश नहीं होने के कारण गुरुवार को श्रीगंगानगर प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया।

इमरान... जांच के बाद फिर जेल भेजे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को मेडिकल जांच के बाद आज शिफा इंटरनेशनल हॉस्पिटल से वापस अडियाला जेल भेज दिया गया है। जियो न्यूज के मुताबिक अस्पताल पहुंचने के बाद 6 डॉक्टरों की टीम ने इमरान की मेडिकल जांच की। जांच के बाद डॉक्टरों ने कहा कि खान को अस्पताल में भर्ती रखने की जरूरत नहीं है। वह जेल में ही सुरक्षित हैं। इसके बाद इमरान को वापस अडियाला जेल ले जाया गया और उनकी सेल में भेज दिया गया। इमरान को गुरुवार देर रात रावलपिंडी की अडियाला जेल से कड़ी सुरक्षा के बीच इस्लामाबाद के शिफा हॉस्पिटल लाया गया था। उनके अस्पताल पहुंचते ही सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। अस्पताल की सभी लाइटें बंद कर दी गईं, और बाहर मौजूद मीडिया को भी हटा दिया गया।

पंजाब बंद: सिखों की रिहाई की हो रही मांग

चंडीगढ़/मोहाली। कौमी इंसाफ मोर्चा की ओर से आज सुबह 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक पंजाब बंद रखा गया। बसों के पहिए थमें रहे। सभी प्राइवेट स्कूलों में छुट्टी कर दी गई। हालांकि ट्रेनों पर कोई असर देखने को नहीं मिला। मोर्चा सजा पूरी होने के बाद भी जेल में बंद सिखों की रिहाई और पूर्व सीएम बेअंत सिंह की हत्या के दोषी जगतार हवारा की पैरोल की मांग कर रहा है। खरड़-चंडीगढ़ हाईवे को बंद कर दिया गया है। यहां ड्यूटी पर जाने वाले लोगों की मोर्चा के सदस्यों से बहस हो गई। जालंधर, पठानकोट और लुधियाना में बंद का मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है। यहां कुछ जगह बाजार पूरी तरह बंद हैं तो कई जगह दुकानें खुली हैं।

जयपुर का मामला: भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप

स्कूल का निरीक्षण करने गए सीजेपी के प्रवक्ता रांका को पीटकर खदेड़ा

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान के जयपुर में आज सुबह राजकीय प्राथमिक स्कूल रामपुरा कंवरपुरा का निरीक्षण करने पहुंचे कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष रांका और उनके साथियों को ग्रामीणों ने पीट-पीटकर खदेड़ दिया। उन पर पथराव भी किया गया। पार्टी का जयपुर में दो सरकारी स्कूलों का दौरे का प्लान था। इसी क्रम में कुछ कार्यकर्ता सुबह 8 बजे रामपुरा कंवरपुरा पहुंचे। यहां के स्कूल को जर्जर बिल्डिंग के कारण बंद कर दिया है। बच्चों को पास ही एक बाड़े में पढ़ाया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक लोगों ने कॉकरोच पार्टी कार्यकर्ताओं को पहले बाहर निकाला। फिर विरोध में नारे लगाते हुए सरकारी स्कूल के बाहर धरने पर बैठ गए। गांव के मुख्य रास्ते को ट्रैक्टर ट्रॉली अड़ाकर रोक दिया। ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है, 'हम इस स्कूल को अपने स्तर पर ठीक करवा लेंगे। सरकार ने 12.50 लाख रुपए स्वीकृत भी कर दिए हैं। हम किसी भी बाहरी व्यक्ति को यहां नहीं आने देंगे। कॉकरोच यहां आकर गंदगी करना चाहते हैं, जिसे हम किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे।'वहीं, CJP ने X पर लिखा, 'स्कूलों में बेहतरी की मांग पर हमारी टीम पर हमला हुआ। राजस्थान पुलिस ऐसी गुंडागर्दी की परमिशन कैसे दे रही है? भाजपा के गुंडे खुलेआम गुंडागर्दी कर रहे हैं। राजस्थान पुलिस इसकी अनदेखी कर रही है। नतीजा सामने है। राजस्थान में कोई कानून-व्यवस्था नहीं है।'

उल्लेखनीय है कि रामपुरा गांव के सरकारी स्कूल की बिल्डिंग जर्जर हो गई है। स्कूल को बच्चों के लिए बंद कर दिया गया है।

पैलेट गन मामले में एफआईआर की मांग, थाने के सामने धरने पर राहुल

नई दिल्ली। राहुल गांधी आज जंतर-मंतर प्रदर्शन में घायल छात्र साहिल को साथ लेकर संसद मार्ग थाने पहुंचे। उन्होंने पैलेट गन मामले में केस दर्ज करने की मांग की, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं होने पर वे थाने के बाहर धरने पर बैठ गए।

खबर लिखे जाने तक नेता प्रतिपक्ष कुछ लोगों के साथ धरने पर बैठे हुए थे। आसपास बड़ी संख्या में पुलिसबल लगाया गया। उल्लेखनीय है कि राहुल ने संसद के मानसून सत्र में CJP के संसद मार्च में पैलेट गन के इस्तेमाल के मुद्दे को उठाया था और गृह मंत्री अमित शाह से जवाब मांगा था। हालांकि, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा था कि पुलिस ने गोली नहीं चलाई है। नीट पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ी के खिलाफ CJP का जंतर-मंतर प्रदर्शन 20 जून से शुरू हुआ था। एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने भूख हड़ताल भी की थी। 20 जुलाई के 'संसद चलो' के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प हुई थी जिसमें आरोप है कि पैलेट गन का इस्तेमाल हुआ।

करोंद से सिंधी कॉलोनी के बीच बैरिकेडिंग से सड़कों की चौड़ाई घटी, शाम को निशातपुरा-आरिफ नगर और डीआईजी बंगले की ओर जाना मुश्किल

गड्ढों में फंसा शहर, मेट्रो निर्माण से सड़कें सिमटीं, आधा किमी की राह हुई आधे घंटे की

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में रुक-रुककर बारिश हो रही है। लेकिन जिम्मेदारों की नाकामी सामने ला रही है। जगह-जगह गड्ढे और जाम से लोग परेशान हैं। करोंद से सिंधी कॉलोनी की ओर मेट्रो निर्माण के लिए लगाए बैरिकेड्स ने लोगों की राह और मुश्किल कर दी है। कहीं, चौड़ी सड़क सिंगल लेन में सिमटी तो कहीं गड्ढों और कीचड़ के बीच वाहन रेंग रहे हैं। आधा किमी का रास्ता पार करने में ही 20-25 मिनट लग रहे हैं। निशातपुरा, आरिफ नगर और डीआईजी बंगला पर गहरे गड्ढे, जाम और जलभराव सफर की रफ्तार रोक रहे हैं। काजी कैंप से सिंधी कॉलोनी तक 3 किमी का रास्ता, जो सामान्य दिनों में 10-15 मिनट में पूरा हो जाता है, शाम में इसे तय करने में एक घंटा लग रहा है। ब्लू लाइन के रत्नागिरि तिराहा से भदभदा मार्ग पर भी ऐसी ही हालत है।

काजी कैंप की ओर सड़कें सिमटीं, लग रहा लंबा जाम।

गड्ढों में फंस रहे वाहन

गड्ढों में फंस रहे वाहन: मेट्रो निर्माण के चलते सड़कों पर एक-एक फीट गहरे गड्ढे बन गए हैं। इन रास्तों से गुजरने वाले वाहन, हर रोज इन गड्ढों में फंस रहे हैं। गुरुवार को भी 1 घंटे में दो बार वाहन फंस गए, जिससे लंबा जाम लगा। इसी दौरान एक बैटरी ऑटो फंसकर पलट गया।

काजी कैंप में गड्ढों में फंसी ई-रिक्शा।

ट्रैफिक डायवर्ट किया

पुल बोगदा पर जमा बारिश के पानी से भी आवाजाही मुश्किल हो रही है। एडिशनल ट्रैफिक डीएसपी बसंत कौल का कहना है, जहां-जहां मेट्रो रूट निर्माण हो रहा है, वहां ट्रैफिक डायवर्ट किया है।

रिहायशी क्षेत्रों में कमर्शियल एक्टिविटी का मामला

निगम थमा रहा सिर्फ नोटिस, रहवासी खफा, कल टॉर्च रैली

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में आवासीय भवनों के कमर्शियल उपयोग पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद नगर निगम लगातार नोटिस थमाए जा रहा है। अब तक 8 हजार से ज्यादा नोटिस जारी किए जा चुके हैं। कुछ जगहों पर कार्रवाई भी कर रहा है। लगातार नोटिस और कार्रवाई के विरोध में दुकानदार सड़क पर उतर गए हैं। लेकिन कार्रवाई के समर्थन में रहवासी भी बड़े आंदोलन की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को गुलमोहर में बड़े स्तर पर टॉर्च रैली निकाली जाएगी। नगर निगम के अफसरों का कनहा है कि नोटिस के बाद सुनवाई का मौका दिया जा रहा है। इसके बाद सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। निगम के अनुसार कुल नोटिस में से 3 दिन में अधिभोग उल्लंघन की अवधि समाप्त होने वाले 750 नोटिस हैं। अवैध निर्माण के लिए 85 नोटिस जारी हो रहे हैं। इनमें से 24 प्रकरण ऐसे हैं, जिनमें फाइनल ऑर्डर भी जारी किया जा चुका है। पिछले दो दिन में बैठक व अन्य व्यस्तता के कारण सीलिंग की कार्रवाई नहीं हो सकी है। जल्द ही अंतिम आदेश पारित किया जाएगा और संबंधितों को सूचित करेंगे। उन्हें अधिभोग उल्लंघन बंद करने के लिए अंतिम सूचना पत्र जारी किए जाएंगे। सुनवाई के बाद फाइनल ऑर्डर होगा और फिर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम इस बीच कार्रवाई भी कार्रवाई कर रहा है।

नदी-तालाब किनारे के भवनों की भी होगी जांच

निगम के मुताबिक, 62 हजार से ज्यादा ऐसी प्रॉपर्टी लिस्टेड की गई है, जो रहवासी इलाके में हैं और कारोबार हो रहा है। 5 अगस्त से पहले तक 1018 रहवासियों को नोटिस दिए थे। शीर्ष की नाराजगी के बाद निगम पूरे शहर में सर्वे कर रहा है। अब मेन रोड के दोनों ओर और गलियों में सर्वे चल रहा है। नदी-तालाब किनारे, ग्रीन बेल्ट, बफर जोन और कैचमेंट में बने भवन की भी जांच होगी।

सिंघाड़े की फसल पर कीटनाशकों के छिड़काव और जलकुंभी से तालाब का पानी हो रहा खराब

जलकुंभी निगल न ले बड़ा तालाब, एनजीटी ने बनाई कमेटी, 6 हफ्तों में मांगी एक्शन रिपोर्ट

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर के प्रमुख पेयजल स्रोत बड़े तालाब में सिंघाड़े की फसल पर कीटनाशकों के छिड़काव और तेजी से फैल रही जलकुंभी के मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने सख्ती दिखाई है। एनजीटी की भोपाल स्थित सेंट्रल जोन बेंच ने संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को नोटिस जारी किए हैं। तालाब की वास्तविक स्थिति और अब तक हुई कार्रवाई की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति भी गठित की गई है।

एनजीटी के आदेश के मुताबिक बड़े तालाब में 60 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंघाड़े की खेती की जा रही है। आरोप है कि नावों के जरिए पोर्टेबल स्प्रे मशीन से कीटनाशकों का छिड़काव किया जा रहा है। इसके अलावा तालाब में जलकुंभी तेजी से फैल रही है। इससे पानी में घुलित ऑक्सीजन कम होने से मछलियों और अन्य जलीय जीवों की मौत की आशंका जताई गई है। इतना ही नहीं, इस रवैये से पानी की गुणवत्ता पर भी विपरित असर पड़ सकता है। ट्रिब्यूनल ने भी माना कि यदि कीटनाशकों के इस्तेमाल और जलकुंभी को नियंत्रित नहीं किया गया तो तालाब की जल गुणवत्ता के साथ जलीय जीवन पर भी गंभीर असर पड़ सकता है। इसे देखते हुए ट्रिब्यूनल ने हर बार की तरह ही इस बार भी जांच के लिए समिति बना दी। समिति को छह हफ्ते में एक्शन टेकन रिपोर्ट देनी होगी। अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को होगी।

तीन विभागों की टीम करेगी मौके की जांच

ट्रिब्यूनल ने तालाब की वास्तविक स्थिति का पता लगाने के लिए तीन सदस्यीय संयुक्त समिति बनाई है। इसमें वेटलैंड अथॉरिटी भोपाल, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के एक-एक प्रतिनिधि शामिल होंगे। समिति मौके का निरीक्षण कर तालाब में कीटनाशकों के इस्तेमाल देखेगी। जलकुंभी की हालत कैसी है और इससे किस तरह पर्यावरण पर प्रभाव पड़ सकता है। इसका आकलन करेगी। सभी जांच को अपनी रिपोर्ट में समाहित करेगी। इसके साथ ही इस पर हुई कार्रवाई की रिपोर्ट भी छह हफ्ते में एनजीटी में पेश करेगी।

4 हफ्ते में मांगा जवाब

एनजीटी ने मामले में कलेक्टर, मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, स्टेट वेटलैंड अथॉरिटी, निगम आयुक्त और पर्यावरण विभाग के सचिव को पक्षकार बनाया है। सभी से 4 सप्ताह में जवाब मांगा।

जलकुंभी के कारण हालत खतरनाक

विशेषज्ञों की मानें तो पानी खराब होने की प्रक्रिया चार चरणों में होती है। पहला- साइनोबैक्टीरिया, जिसमें पानी की पारदर्शिता कम हो जाती है। वह हरा दिखने लगता है। दूसरा-एल्गल ब्लूम्स, जिसमें पानी की सतह पर हरे धब्बे बनने लगते हैं। तीसरा-वाटर लेटस, जिसमें पत्तागोभी जैसे पौधे फैलने लगते हैं। चौथा-जलकुंभी। बड़ा तालाब चौथे स्तर पर है। निगम जलकुंभी हटा रहा है, पर सफाई रुकते ही झील फिर जलकुंभी से भर जाएगी। ये पौधे सड़ने पर पानी में ऑक्सीजन खत्म कर देते हैं। जलीय जीव मरने लगते हैं।

खुले में फेंके जा रहे मेडिकल वेस्ट का नियमों के तहत निपटारा कराने के निर्देश

भोपाल। जवाहर चौक के पास आराधना नगर में सील किए गए अवैध मेडिकल गोदाम की बची दवाएं और सिरिंज खुले में फेंके जाने के मामले में एनजीटी ने संज्ञान लिया है। भोपाल स्थित सेंट्रल जोन बेंच ने मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को खुले में पड़े मेडिकल वेस्ट का बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स के तहत निपटारा कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पर्यावरण को हुए नुकसान का आकलन कर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति तय कर वसूलने को कहा है। मामला जवाहर चौक स्थित प्रसन्ना मेडिकल के बिना लाइसेंस संचालित गोदाम से जुड़ा है। ड्रग विभाग ने कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में दवाएं जब्त कर गोदाम को सील किया था। इसके बाद बची दवाएं और मेडिकल सामग्री सड़क किनारे खुले में पड़ी मिलीं। स्थानीय लोगों के मुताबिक कई दिनों तक खुले में दवाएं और सिरिंज पड़े रहने से बच्चों, राहगीरों और मवेशियों के लिए खतरा बना हुआ था।

बता दें, आराधना नगर में मेडिकल सामग्री से भरे ट्रकों की आवाजाही और जाम को लेकर 30 जुलाई को कमला नगर थाने में शिकायत की गई थी। इसके बाद ड्रग विभाग की टीम ने गोदाम का निरीक्षण किया। जांच में बिना वैध लाइसेंस मेडिकल गोदाम संचालित है। जांच में खुले में मेडिकल वेस्ट मिलने का मामला सामने आया।

एनजीटी ने प्रदूषण बोर्ड को दी जिम्मेदारी

एनजीटी ने कहा कि मेडिकल वेस्ट के नियमन और नियंत्रण की जिम्मेदारी राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की है। अधिकरण ने निर्देश दिए कि खुले में पड़े मेडिकल वेस्ट का नियमों के अनुसार निपटारा करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कानूनी कार्रवाई करें। साथ ही पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति तय कर वसूलने के निर्देश दिए गए। आदेश के साथ एनजीटी ने मामले का निराकरण कर दिया।

बता दें कि जुलाई में ही नगर निगम ने मेडिकल वेस्ट के गलत निस्तारण पर कार्रवाई की तैयारी की। नए बायो मेडिकल वेस्ट प्रबंधन नियम-2026 के तहत ऐसे मामलों में प्रति टन 4.05 लाख रुपए तक जुर्माने का प्रावधान है। लेकिन यह तैयारी धरी ही रह गई। इक्का-दुक्का संस्थानों पर ही कार्रवाई की गई।

महिला पर धर्म परिवर्तन का बना रहा था दबाव

इंस्टा पर दोस्ती, फिर शादी का झांसा शोषण करने का आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई और धीरे-धीरे कथित शोषण और धर्म परिवर्तन के दबाव में बदल गई। राजगढ़ के आदिल ने पिपलानी की महिला को शादी का झांसा दिया और साढ़े चार साल तक शोषण करता रहा। वह महिला पर इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव भी बनाता रहा। पुलिस ने आदिल को गिरफ्तार किया है। इस बीच हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने फ्लैट पर पहुंचकर आदिल की पिटाई भी की। पुलिस के मुताबिक ब्यूटीशियन का पति से पारिवारिक विवाद चल रहा है। इसी बीच उसकी पहचान इंस्टाग्राम पर आदिल से हुई। आदिल पहले से शादीशुदा था। लेकिन वह शादी का झांसा देता रहा।

धर्म बदलने का बनाया दबाव

पीड़िता ने शिकायत में बताया कि रिश्ते के आगे बढ़ने के साथ ही आरोपी उस पर मानसिक रूप से हावी होने लगा। आदिल ने उस पर मुस्लिम धर्म अपनाने और नियमित रूप से नमाज पढ़ने के लिए दबाव डालना शुरू कर दिया। विरोध किया, तो उसे धमकाया। यह पूरा मामला तब सामने आया, जब हिंदू संगठनों पता चला कि महिला और आरोपी आदिल एक फ्लैट में हैं। बजरंग दल और अन्य हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता ने पहुंचकर दोनों पकड़ा और आदिल की पिटाई कर दी।

साइबर ठग बेलगाम, पुलिस दर्ज कर रही सिर्फ केस

7 लोगों से 19 लाख लूटे, सीनियर सिटीजन कार्ड बनाने के नाम पर बुजुर्ग के उड़ाए 12.08 लाख

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में साइबर ठगी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। कोलार रोड, चूनाभट्टी, निशातपुरा और कोहेफिजा थाना क्षेत्रों में साइबर ठगों ने 7 लोगों को अलग-अलग तरीकों से झांसे में लेकर 19 लाख 46 हजार 101 रुपए ठग लिए। इस बार सभी से ठगी के लिए तरीके भी अलग अपनाए गए। पुलिस ने सभी मामलों में धोखाधड़ी और अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

चूनाभट्टी निवासी 86 वर्षीय वीरेंद्र सिंह खमेसरा फेसबुक पर सीनियर सिटीजन कार्ड बनवाने के झांसे में आ गए। ठगों ने उन्हें वीडियो कॉल किया। उनसे आधार, पैन और एटीएम कार्ड की जानकारी ले

ली। इसके बाद उनके बैंक खाते की एफडी खुद ही तोड़कर 12.08 लाख रुपए निकाल लिए। वीरेंद्र को मोबाइल प मैसेज आने लगे। वे तुरंत बैंक पहुंचे। पूछताछ के बाद उन्हें पता चला कि ठगों ने उनके खाते से रुपए निकाल लिए हैं। पीड़ित वीरेंद्र ने बैंक कर्मचारियों की लापरवाही की जांच की मांग भी की है।

एमपीईबी अफसर बनकर 2.50 लाख रुपए उड़ाए

निशातपुरा निवासी कर्नल मनमोहन दत्ता से एमपीईबी अफसर बनकर सोलर पैनल प्रक्रिया के नाम पर लिंक भेजा और 2.50 लाख उड़ा लिए। दुर्गा नगर पलासी निवासी सोनू जाटव के खाते से 2.03 लाख पार कर लिए। कोलार रोड किं लवीना ललवानी से टेलीग्राम पर वर्क फ्रॉम होम के नाम पर 66,100 रुपए ठगे। इसी क्षेत्र में वीर सिंह अहिरवार के खाते और क्रेडिट कार्ड से 1.19 लाख निकाले। कोहेफिजा क्षेत्र के अमित सिंह सेंगर से 4 लेनदेन में 75 हजार रुपए ठगे।

चातुर्मास की साधना

आचार्य समय सागर दे रहे जीव दया का संदेश

चातुर्मास साधना के दौरान आचार्य समय सागर महाराज की शिष्याएं। इस दौरान समाज की युवतियों ने वैराग्य पथ पर चलने दीक्षा भी मांगी।

भोपाल। शहर में चातुर्मास की साधना कर रहे आचार्य समय सागर महाराज के सानिध्य धार्मिक अनुष्ठान हो रहा है। भगवान आदिनाथ की वंदना के बाद आचार्य संघ की वर्षायोग साधना चल रही हैं। रोज रत्नकरंडक श्रवाकाचार व समय सार ग्रंथ वाचना के साथ आचार्य श्री समरसता, जीव दया, अहिंसा का संदेश दे रहे हैं। भोपाल की सीए खुशबू सोनल बामौर, पूजा ने आचार्य श्री से वैराग्य पथ पर बढ़ने आर्यिका दीक्षा का निवेदन किया। प्रवक्ता सुनील जैनाविन व अंशुल जैन ने बताया, बहनों के प्रथम केशलोच क्रिया गोटेगांव में आर्यिका विज्ञान मति माताजी के हाथों से हुआ। वर्षा योग हेतु चातुर्मास समिति भी बनी। संरक्षक प्रमोद हिमांशु, मनोज प्रधान अध्यक्ष, पंकज जैन सुपारी कार्याध्यक्ष, राकेश, ओएसडी सुनील जैन, 501 हुकुमचंद राजेश जैन और एम के भारत को स्वागत अध्यक्ष बनाया गया है।

हबीबगंज थाने में केस दर्ज

एमबीबीएस की फर्जी रसीदें दिखाकर मौसी से ही ठग लिए 60 लाख रुपए

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मौसेरे भाई की मेडिकल की पढ़ाई की फीस का झांसा देकर भांजे ने मौसी से 60 लाख रुपए की ठगी कर ली। उसने मौसेरे भाई के कॉलेज की फीस भरने की फर्जी रसीदें भी दिखाई थीं। पुलिस ने आरोपी पर धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, अरेरा कॉलोनी निवासी चित्रा ठाकुर का बेटा हर्षवर्धन उदयपुर के मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा है। चित्रा की दर्ज शिकायत के अनुसार, भांजे विक्रम आदित्य ने यह कहते हुए उनसे 60 लाख ठग लिए कि वह हर्षवर्धन की फीस कम करवा देगा। फीस नहीं भर पाने से मेरे बेटे को परीक्षा में नहीं बैठने दिया गया। चित्रा ने पुलिस को बताया, 22 जून, 2023 को मेरी माता की मृत्यु के बाद बहन गीतांजलि शर्मा एवं मेरे बीच माता-पिता की चल-अचल संपत्ति का बंटवारा 10 नवंबर, 2023 को हुआ था। इसमें उन्हें मिले सोने के एवज में बहन और उसके बेटों ने 60 लाख रुपए दिए थे। यह राशि भांजे विक्रम ने हर्षवर्धन की फीस जमा कराने के नाम पर ले ली। उसने पैसिफिक मेडिकल कॉलेज उदयपुर की फीस की रसीदें वाट्सऐप भी भेजीं। इन पर 55 लाख 67 हजार रुपए फीस पेड तथा 2 लाख हॉस्टल फीस पेड लिखा था।

मेट्रो एंकर | यह दुनिया की सबसे एडवांस मशीनों में से एक, इलाज का खर्च भी निजी से होगा कम

एम्स में गामा नाइफ मशीन से ब्रेन ट्यूमर का होगा बेहतर इलाज

भोपाल। दोपहर मेट्रो

ब्रेन ट्यूमर और दिमाग से जुड़ी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए एम्स भोपाल में अत्याधुनिक विकल्प मिलने जा रहा है। संस्थान में गामा नाइफ मशीन लगाने की प्रोपराइटरी आर्टिकल सर्टिफिकेट यानी पीएसी के आधार पर मंजूरी मिल गई है। इसी के साथ इस रेडियोसर्जरी सुविधा को भोपाल में लाने का रास्ता साफ हो गया है। एम्स में इसके लिए बंकर पहले ही तैयार हो चुका है। प्रोजेक्ट की लागत 120 करोड़ रुपए के आसपास है। बताते हैं, करीब एक साल में मशीन से जांच शुरू हो जाएगी। इससे उन्हें इस तरह के इलाज के लिए निजी अस्पतालों में मोटी राशि नहीं चुकानी पड़ेगी।

मशीन से बीमारी पर डॉक्टर लगा सकेंगे सटीक निशाना

चुनिंदा मामलों में बिना पारंपरिक बड़े ऑपरेशन के सटीक तरीके से निशाना बनाया जा सकेगा। इससे बीमारी वाले हिस्से पर फोकस किया जाता है, जिससे आसपास के स्वस्थ ऊतकों सुरक्षित रखने में मदद मिलती है। मशीन की खरीद प्रक्रिया इसी माह पूरी होगी। लेकिन स्थापना और कमीशिनंग के बाद एक साल में यह सुविधा शुरू होने होगी। गामा नाइफ खुली सर्जरी नहीं है। इसमें सटीक गामा रेडिएशन को दिमाग में मौजूद लक्ष्य पर केंद्रित किया जाता है। इसका उद्देश्य स्वस्थ ऊतकों पर रेडिएशन कम रखते हुए बीमारी वाले हिस्से का इलाज करना है।

गामा नाइफ के प्रमुख फायदे

बड़े चीरे से राहत : चुनिंदा मरीजों में पारंपरिक ओपन ब्रेन सर्जरी का विकल्प बन सकती है।

बेहद सटीक उपचार : बीमारी वाले निर्धारित हिस्से को निशाना बनाने में मदद करती है।

स्वस्थ ऊतकों की सुरक्षा : सामान्य मस्तिष्क ऊतकों पर असर कम रखने का प्रयास।

दूसरे शहरों की दौड़ कम : मप्र और दूसरे राज्यों के मरीजों को भी सुविधा।

अत्याधुनिक इलाज : एम्स में न्यूरो सर्जरी और कैंसर इलाज बेहतर होगा।

दूसरे शहरों में जाने की नहीं पड़ेगी जरूरत

एम्स भोपाल में गामा नाइफ की सुविधा शुरू होने से मरीज को रेडियोसर्जरी का विकल्प मिलेगा। बीमारी, ट्यूमर का आकार, स्थान और अन्य स्थितियों का मूल्यांकन करने के बाद विशेषज्ञ तय करेंगे कि गामा नाइफ उपचार उसके लिए सही है या नहीं। सुविधा शुरू होने पर मरीजों को दूसरे बड़े शहरों में इलाज के लिए जाने की जरूरत कम हो जाएगी। डीडीओ संदेश जैन ने बताया कि एम्स में मरीजों के लिए लगातार उन्नत तकनीक का इस्तेमाल कर मरीजों को बेहतर जांच की सुविधा दी जाएगी।

प्रदेश में सरकारी अस्पतालों में इलाज का संकट, देश में टॉप 10 में है सूबा

हर साल कैंसर से 45 हजार मौतें! 80 हजार से ज्यादा नए मरीज मिल रहे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में कैंसर के मरीजों और इससे होने वाली मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से लोकसभा में पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में 2021 में कैंसर के अनुमानित 79,871 मामले थे। 2025 में यह संख्या बढ़कर 88,297 हो गई, यानी 5 साल में करीब 8,400 नए मामले बढ़े। इसी अवधि में कैंसर से होने वाली अनुमानित मौतें भी बढ़ीं। 2021 में प्रदेश में 44,056 मौतें हुई थीं, जबकि 2025 में यह आंकड़ा 48,694 तक पहुंच गया, यानी 5 साल में करीब 4,600 मौतें बढ़ीं। देश के दूसरे राज्यों से तुलना करें तो नए मरीजों के मामले में मध्य प्रदेश टॉप-10 राज्यों में है। वहीं कैंसर से होने वाली मौतों के मामले में प्रदेश देश में 7वें नंबर पर है।

मौतों के मामले में एमपी 7वें नंबर पर

उत्तर प्रदेश	1,25,184
महाराष्ट्र	71,696
पश्चिम बंगाल	67,093
बिहार	65,571
तमिलनाडु	54,864
कर्नाटक	53,253
मध्य प्रदेश	48,694

मध्य प्रदेश में कैंसर से होने वाली मौतों का आंकड़ा राजस्थान (44,402) और गुजरात (43,572) से भी ज्यादा है।

देश में नए मरीजों के मामले में मप्र कहां?

2025 के अनुमानित आंकड़ों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 2.26 लाख से अधिक नए मामले सामने आए। इसके बाद महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार और तमिलनाडु हैं। मध्य प्रदेश में 88,297 मामले हैं। यह संख्या राजस्थान (80,628), गुजरात (79,217) और आंध्र प्रदेश (78,282) से ज्यादा है, यानी आबादी और अन्य कारकों को अलग रखकर सिर्फ कुल मामलों की संख्या देखें तो एमपी देश के सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में शामिल है।

एमपी में पूरा इलाज सिर्फ चुनिंदा अस्पतालों में

भोपाल- एम्स : अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल में कैंसर के इलाज के लिए अत्याधुनिक तकनीक और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी व रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के अलग विभाग उपलब्ध हैं।

गांधी मेडिकल कॉलेज (हमीदिया अस्पताल): भोपाल के इस प्रमुख सरकारी मेडिकल कॉलेज में भी कैंसर के मरीजों के लिए विशेष ओपीडी, कीमोथेरेपी और सर्जरी की व्यवस्थाएं हैं। (यहां स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट के स्तर की सुविधाएं भी विकसित की गई हैं)।

इंदौर: शासकीय कैंसर अस्पताल: यह महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज और एमवाय अस्पताल से संबद्ध एक सरकारी कैंसर अस्पताल है। यहां कैंसर के मरीजों के इलाज के लिए बड़ी विंग, विशेषज्ञ डॉक्टर और रियायती दरों पर कीमोथेरेपी व रेडिएशन थेरेपी (जैसे लिनियर एक्सीलेटर) की व्यवस्था है।

ग्वालियर: कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, ग्वालियर: ग्वालियर का यह संस्थान क्षेत्र के सबसे बड़े कैंसर केंद्रों में से एक है। यह भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त रीजनल कैंसर सेंटर के रूप में भी कार्य करता है और यहाँ बोन मैरो सर्विसेज, पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी, रेडिएशन और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी की व्यापक सुविधाएं हैं।

गजेराजा मेडिकल कॉलेज : ग्वालियर के इस सरकारी मेडिकल कॉलेज में भी कैंसर के सामान्य और गंभीर ऑपरेशनों की अच्छी व्यवस्था है।

जबलपुर: नेताजी सुभाष चंद्र बोसमेडिकल कॉलेज अस्पताल- महाकौशल क्षेत्र के मरीजों के लिए जबलपुर का यह सरकारी मेडिकल कॉलेज कैंसर के उपचार का प्रमुख केंद्र है। यहाँ कैंसर विभाग (ऑन्कोलॉजी) के तहत मरीजों की थेरेपी और सर्जरी की जाती है।

रीवा: श्याम शाह मेडिकल कॉलेज विंध्य क्षेत्र के मरीजों के लिए रीवा के इस सरकारी मेडिकल कॉलेज में कैंसर केयर यूनिट स्थापित है, जिससे मरीजों को इलाज के लिए मुंबई या नागपुर नहीं भागना पड़ता।

तकनीक और पशुपालन से बदलेगी खेती की तस्वीर, सीएम मोहन बोले-

खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने नवाचार अपनाएं किसान, कृषि उद्योग में रोजगार की अपार संभावनाएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में खेती को अधिक लाभकारी और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पारंपरिक कृषि के साथ आधुनिक तकनीक, फसल विविधीकरण, उद्यानिकी, पशुपालन और मछली पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बदलती कृषि तकनीक और नवाचार ने किसानों के लिए समृद्धि के नए रास्ते खोले हैं। आने वाले समय में कृषि आधारित उद्योग ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के साथ आर्थिक विकास के नए अवसर पैदा करेंगे। मुख्यमंत्री अशोकनगर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को समत्व भवन से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

एक ही फसल पर निर्भरता छोड़ आय के नए साधन अपनाने की अपील

मुख्यमंत्री ने किसानों से खेती के पुराने तौर-तरीकों के साथ नई संभावनाओं को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसान फसल उत्पादन के साथ उद्यानिकी, दुग्ध उत्पादन और मछली पालन को अपनी आय का हिस्सा बनाएं। इससे खेती पर निर्भर परिवारों के पास आमदनी के कई स्रोत तैयार होंगे और मौसम अथवा बाजार की चुनौतियों का असर भी कम किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि कृषि को केवल उत्पादन तक सीमित रखने के बजाय उससे जुड़े उद्योग और प्रसंस्करण गतिविधियों को गांवों तक ले जाना जरूरी है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

शरबती गेहूं ने दिलाई अशोकनगर को अलग पहचान

मुख्यमंत्री डने अशोकनगर के किसानों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि जिले के अन्नदाता अपनी मेहनत और नवाचार से प्रदेश के अन्य किसानों के लिए उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अशोकनगर की चंदेरी साड़ी ने प्रदेश को वैश्विक पहचान दिलाई है, वहीं जिले का शरबती गेहूं अपने स्वाद और गुणवत्ता के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब जिले के किसान धनिया, गुलाब सहित विभिन्न उद्यानिकी फसलों की ओर भी तेजी से बढ़ रहे हैं। इससे खेती में विविधता आने के साथ किसानों की आय बढ़ाने की संभावनाएं मजबूत हुई हैं। अशोकनगर के किसानों द्वारा कम बारिश की चुनौती के बीच अपनाई गई नई कृषि तकनीकों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले में डीआरएस तकनीक के जरिए धान की रोपाई का क्षेत्र बढ़ाया गया है। किसानों ने विपरीत परिस्थितियों को अवसर में बदलने का काम किया है। फसल विविधीकरण के कारण जिले में चना और मसूर का रकबा भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि बदलते मौसम और जलवायु परिस्थितियों को देखते हुए किसानों को ऐसी फसलों और तकनीकों का चयन करना होगा, जिनसे कम संसाधनों में बेहतर उत्पादन और अधिक लाभ हासिल किया जा सके।

जवान और किसान दोनों देश की रीढ़

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान, महिला, गरीब और युवा राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में हैं। उन्होंने किसान की भूमिका को सीमा पर तैनात जवान के समान बताते हुए कहा कि जवान देश की सीमाओं की रक्षा करता है, जबकि किसान खेतों में मेहनत कर देशवासियों के लिए अन्न उपलब्ध कराता है। दोनों का योगदान राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में सरकार संवेदनशीलता और सक्रियता के साथ काम कर रही है। इसी भावना के साथ पूरे वर्ष को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए खेतों तक पर्याप्त बिजली, सिंचाई के लिए पानी और बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने पर लगातार काम किया जा रहा है। किसानों की सुविधा के लिए साल में एक बार खाते को क्लियर करने की व्यवस्था की गई है।

विशेषज्ञों ने शिक्षा और भारतीयता पर रखा जोर

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य ऐसे नागरिक तैयार करना है जो विचार, व्यवहार और बौद्धिक दृष्टि से भारतीय मूल्यों से जुड़े हों। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और प्राचीन भारतीय ज्ञान का संतुलित समावेश ही विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को हासिल करने में सहायक होगा। वहीं भारतीय मौसम विभाग के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्रा ने जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन और वैज्ञानिक सोच को शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बनाने की आवश्यकता बताई। आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर मनु संथानम ने मध्यप्रदेश में सेमीकंडक्टर और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में सहयोग देने की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान उच्च शिक्षा विभाग ने आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी मद्रास, आईआईटी गुवाहाटी, आईआईटी बीएचयू, आईआईटी रुड़की और आईआईटी खड़गपुर सहित कई प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए एमओयू किए। इन समझौतों के माध्यम से डिजिटल कौशल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, तकनीकी शिक्षा, अनुसंधान और संस्थागत उत्कृष्टता को बढ़ावा दिया जाएगा।

पुराने पेंशनरों के हक की उठी बुलंद आवाज

केंद्र की तर्ज पर हो पेंशन का पुनरीक्षण, मुख्य सचिव और वित्त विभाग को सौंपा ज्ञापन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में 1 जनवरी 2016 से पहले सेवानिवृत्त हुए पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों की पेंशन को केंद्र सरकार की व्यवस्था के अनुरूप पुनरीक्षित करने की मांग जोर पकड़ने लगी है। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने इस संबंध में मुख्य सचिव और वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव को विस्तृत ज्ञापन सौंपकर सरकार से तत्काल आवश्यक आदेश जारी करने की मांग की है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने कहा कि केंद्र सरकार ने 1 जनवरी 2016 से पहले सेवानिवृत्त केंद्रीय सिविल पेंशनरों की पेंशन को सेवानिवृत्ति के समय के पद और वेतनमान के आधार पर काल्पनिक वेतन निर्धारण करते हुए संशोधित किया है। संगठन ने इसी व्यवस्था को मध्यप्रदेश में भी लागू करने की मांग की है।

सेवानिवृत्ति की तारीख के आधार पर भेदभाव खत्म करने की अपील

समान पेंशन व्यवस्था की पैरवी

एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने सातवें वेतनमान के तहत पेंशन पुनरीक्षण में केंद्र के वेतनमान और फार्मूले का अनुसरण किया है। ऐसे में 2016 से पहले और बाद में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के बीच अलग-अलग व्यवस्था रखना उचित नहीं है। उन्होंने इसे पेंशनरों के साथ असमान व्यवहार बताया। भोपाल जिला अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने कहा कि पेंशन पुनरीक्षण का उद्देश्य सेवानिवृत्त कर्मचारियों को बढ़ती महंगाई के अनुरूप सम्मानजनक आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक सरकारी सेवा देने वाले पेंशनरों को सेवानिवृत्ति की तारीख के आधार पर अलग श्रेणी में रखना न्यायसंगत नहीं होना चाहिए।

तत्काल आदेश जारी करने की मांग

संगठन ने सरकार से इस मामले में स्पष्ट कार्यपालिक आदेश या परिपत्र जारी कर पेंशन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। उपाध्यक्ष संतोष ठाकुर, शैलेंद्र श्रीवास्तव, सचिव रामगोपाल माथुर, यशवंत सिंह बैस, संयुक्त सचिव शकुंतला वर्मा और कार्यकारिणी सदस्य संगीता श्रीवास्तव ने भी मांग का समर्थन करते हुए सरकार से शीघ्र निर्णय लेने की अपील की।

---

10 साल बाद बदली मंडियों की तस्वीर

54 कृषि उपज मंडियां पहुंचीं ऊंची श्रेणी में; किसानों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में कृषि उपज मंडियों की व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। करीब दस वर्ष बाद प्रदेश की मंडी समितियों का नया श्रेणी निर्धारण किया गया है। वित्तीय वर्ष 2023-24, 2024-25 और 2025-26 की औसत आय तथा मंडियों में अनाज की आवक को आधार बनाकर तैयार किया गया नया वर्गीकरण अब लागू कर दिया गया है।

नई व्यवस्था में कई मंडियां बेहतर प्रदर्शन के चलते ऊंची श्रेणी में पहुंची हैं। सरकार का दावा है कि श्रेणी के अनुसार मंडियों में सुविधाओं का विस्तार करने से किसानों को उपज बेचने के दौरान बेहतर व्यवस्थाएं मिलेंगी और मंडी प्रशासन भी अधिक प्रभावी तरीके से काम कर सकेगा। प्रदेश में कुल 259 मंडी समितियां और 298 उपमंडियां हैं। इनमें 81 मंडियों को 'स' तथा 68 को 'द' श्रेणी में रखा गया है। इन मंडियों की स्थिति सुधारने के लिए अब विशेष स्तर पर काम शुरू करने की तैयारी है।

47 मंडियां पहुंचीं 'अ' श्रेणी में

नई व्यवस्था के तहत 47 मंडियों को 'अ' श्रेणी में रखा गया है। इस श्रेणी में उन मंडियों को शामिल किया गया है, जिनकी सालाना औसत आय छह करोड़ रुपये से अधिक है। पिछली श्रेणी व्यवस्था में ऐसी 39 मंडियां थीं। इस बार आठ नई मंडियों के जुड़ने से इनकी संख्या बढ़कर 47 हो गई है। भोपाल संभाग का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा है। संभाग की 16 मंडियां 'अ' श्रेणी में स्थान बनाने में सफल रही हैं। इससे इन मंडियों में सुविधाओं के विस्तार की संभावनाएं भी बढ़ गई हैं।

'ब' श्रेणी में भी 21 मंडियां बढ़ीं

नई श्रेणी व्यवस्था में 63 मंडियों को 'ब' श्रेणी में रखा गया है। इस श्रेणी में तीन से छह करोड़ रुपये के बीच सालाना आय वाली मंडियां शामिल हैं। पिछली व्यवस्था में इनकी संख्या 42 थी, जो अब बढ़कर 63 हो गई है। इस तरह 'ब' श्रेणी में 21 मंडियों की वृद्धि हुई है। सरकार इसे मंडियों की आय और कृषि उपज की आवक में हुए सुधार का संकेत मान रही है।

राज्य वित्त आयोग की वेबसाइट का लोकार्पण

भोपाल। राज्य वित्त आयोग की आधिकारिक वेबसाइट www.sfc.mp.gov.in का लोकार्पण आज वल्लभ भवन में किया गया। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा की उपस्थिति में आयोग के अध्यक्ष श्री जयभान सिंह पवैया ने वेबसाइट का लोकार्पण किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, आयोग के सदस्य श्री के.के. सिंह, श्री वीरेंद्र कुमार तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नगरीय निकाय और पंचायतें मिलकर व्यापक नागरिक सहभागिता का आधार बनती हैं। उन्होंने कहा कि इन संस्थाओं के माध्यम से जनता की अपेक्षाएं और सुझाव सीधे शासन तक पहुंचते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब इन सुझावों को आयोग की कार्य प्रणाली में शामिल किया जाएगा।

विद्यार्थियों के लिए बड़ी राहत

कॉलेज की खाली सीटों पर 31 अगस्त तक दाखिले का मौका, प्रवेश का फिर खुला गेट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शैक्षणिक सत्र 2026-27 में उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश से वंचित रह गए विद्यार्थियों के लिए राहत की खबर है। उच्च शिक्षा विभाग ने स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं में खाली पड़ी सीटों को भरने के लिए महाविद्यालय स्तर पर प्रवेश का एक और अवसर दिया है। इसके तहत अतिरिक्त चरण की प्रवेश प्रक्रिया अब 21 से 31 अगस्त तक चलेगी। इस दौरान विद्यार्थियों को उपलब्ध रिक्त सीटों पर पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। विभाग ने प्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय और अशासकीय महाविद्यालयों को निर्देश दिए हैं कि खाली सीटों पर निर्धारित समय-सीमा में प्रवेश प्रक्रिया पूरी कराई जाए। महाविद्यालयों को विद्यार्थियों को आवश्यक जानकारी और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के साथ पात्र आवेदकों के प्रवेश की प्रक्रिया समय पर पूरी करनी होगी।

अतिरिक्त प्रवेश चरण के तहत विद्यार्थी 21 से 31 अगस्त के बीच उपलब्ध रिक्त सीटों पर दाखिला ले सकेंगे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने के बाद किसी भी विद्यार्थी का प्रवेश मान्य नहीं होगा। ऐसे में इच्छुक विद्यार्थियों को अंतिम तारीख का इंतजार करने के बजाय जल्द से जल्द संबंधित महाविद्यालय से संपर्क कर प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई है।

उच्च शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद से जुड़े पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए भी द्वितीय अतिरिक्त चरण की समय-सारणी जारी कर दी है। इस चरण में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों को पंजीयन, दस्तावेज सत्यापन, मेरिट सूची, सीट आवंटन और शुल्क जमा करने की प्रक्रिया निर्धारित तारीखों में पूरी करनी होगी।

20 से 24 अगस्त तक पंजीयन

द्वितीय अतिरिक्त चरण में विद्यार्थियों के लिए पंजीयन और आवेदन की प्रक्रिया 20 से 24 अगस्त तक चलेगी। इसके बाद आवेदन से जुड़े दस्तावेजों का सत्यापन 20 से 25 अगस्त के बीच किया जाएगा। सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 27 अगस्त को मेरिट सूची जारी की जाएगी। इसके आधार पर 29 अगस्त को विद्यार्थियों को महाविद्यालयों में सीट आवंटित की जाएगी।

मेट्रो एंकर | **गीता भवन में 17 सितंबर से शुरू होगा तीन दिवसीय आयोजन**

धर्म पर मंथन करने उज्जैन में जुटेंगे 24 राज्यों के 1700 युवा

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

भगवान महाकाल की नगरी सितंबर में देश की युवा वैचारिक चेतना के बड़े केंद्र के रूप में सामने आएगी। यहां 24 राज्यों के 1700 से अधिक युवा एकत्र होकर धर्म, राष्ट्र, संस्कृति, शिक्षा, विज्ञान और समकालीन जीवन की चुनौतियों पर मंथन करेंगे। अवसर होगा युवा धर्म संसद-2026 के षष्ठम अंक का। सेवाङ्ग संस्थानम् द्वारा आयोजित यह राष्ट्रीय आयोजन 17 से 19 सितंबर तक गीता भवन में होगा। विद्यार्थी, शिक्षक, शिक्षाविद्, संत, मनीषी और सामाजिक चिंतक इसमें सहभागी होंगे। संरक्षक आचार्य मिथिलेशनन्दिनीशरण महाराज के मार्गदर्शन में सेवाङ्ग संस्थानम् द्वारा होने वाले वाले इस कार्यक्रम की शुरुआत 17 सितंबर को प्रदर्शनी के उद्घाटन और युवा पंचायत से होगी। प्रदर्शनी में भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति, दर्शन, शिक्षा और राष्ट्रीय जीवन से जुड़े विविध पक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। युवा पंचायत में देशभर से आए युवाओं को अपने प्रश्न, अनुभव और विचार रखने का अवसर मिलेगा। 18 और 19 सितंबर को मुख्य व्याख्यान और संवाद सत्र होंगे। इनमें विशेषज्ञ युवाओं से सीधे संवाद करेंगे।

युवा धर्म संसद की खासियत इसका संवाद आधारित स्वरूप होगा। युवाओं को केवल वक्ताओं को सुनने तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि वे धर्म, आधुनिकता, विज्ञान, शिक्षा, राष्ट्र और सामाजिक जीवन से जुड़े सवाल सीधे विद्वानों और संतों के सामने रख सकेंगे। इस तरह आयोजन युवा पीढ़ी और भारतीय मनीषा के बीच जीवंत संवाद का राष्ट्रीय मंच बनेगा।

काशी से अवंतिका तक पहुंची वैचारिक यात्रा

युवा धर्म संसद की परंपरा देश के प्रमुख धार्मिक-सांस्कृतिक केंद्रों को जोड़ते हुए आगे बढ़ी है। इसके पूर्व काशी, अयोध्या, मथुरा, हरिद्वार और कांचीपुरम् में आयोजन हो चुके हैं। अब इसके षष्ठम अंक के लिए उज्जैन को चुना गया है। वह इसलिए क्योंकि उज्जैन केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन ज्ञानपरंपरा की महत्वपूर्ण भूमि रही है।

धर्म को कर्मकांड से आगे समझने की कोशिश

आयोजकों के अनुसार संसद में धर्म को केवल पूजा-पद्धति या कर्मकांड के रूप में नहीं, बल्कि व्यक्ति, समाज, प्रकृति और समूची सृष्टि के प्रति कर्तव्य, उत्तरदायित्व, सदाचार और लोकमंगल की जीवन-दृष्टि के रूप में समझने पर विमर्श होगा। इसी दृष्टि को आज के युवा के सवालों से जोड़ना आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। तकनीक, वैश्वीकरण, शिक्षा, रोजगार, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, सामाजिक उत्तरदायित्व और तेजी से बदलती जीवनशैली के बीच युवा नई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

उम्मीद या नई चुनौती?

किसी घर का दरवाजा जब हर शाम इस उम्मीद में खुलता है कि शायद बच्चा लौट आया हो, तो वह इंतजार केवल समय नहीं काटता-पूरे परिवार की जिंदगी को रोक देता है। लापता बच्चे की तलाश में माता-पिता वर्षों तक तस्वीरें, नाम और यादें लेकर भटकते रहते हैं। ऐसे में यदि बच्चा बरामद हो जाए, लेकिन उसकी पहचान सुनिश्चित न हो सके और वह अपने ही परिवार से दूर रह जाए, तो यह त्रासदी और गहरी हो जाती है। इसी पीड़ा को तकनीक के जरिए कम करने की कोशिश अब सुप्रीम कोर्ट के सामने है। लापता और बरामद बच्चों की पहचान के लिए देशभर में डीएनए और बायोमेट्रिक आधारित राष्ट्रीय व्यवस्था बनाने की मांग वाली पीआईएल पर शीर्ष अदालत ने केंद्रीय गृह मंत्रालय और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग को नोटिस जारी किया है। अदालत ने फिलहाल कोई व्यवस्था लागू करने का आदेश नहीं दिया है, बल्कि सरकार से इस गंभीर प्रस्ताव पर जवाब मांगा है। विचार सरल है, लेकिन उसका प्रभाव बड़ा हो सकता है। डीएनए मिलान से किसी बच्चे का उसके जैविक माता-पिता से संबंध वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित किया जा सकता है। बायोमेट्रिक पहचान उन बच्चों के लिए भी उपयोगी हो सकती है जो अपना नाम, पता या परिवार के बारे में जानकारी बताने की स्थिति में नहीं हैं। यदि पुलिस, बाल संरक्षण संस्थाओं और राज्यों के बीच सुरक्षित तरीके से जानकारी साझा हो सके, तो किसी बरामद बच्चे को उसके परिवार तक पहुंचाने में वर्षों लगने के बजाय शायद कुछ घंटे या दिन ही पर्याप्त हों। लेकिन यहीं से एक दूसरा सवाल जन्म लेता है-क्या किसी बच्चे की सुरक्षा के नाम पर उसकी निजता को अनदेखा किया जा सकता है? डीएनए कोई सामान्य पहचान-पत्र नहीं है। यह व्यक्ति के शरीर और जैविक पहचान से जुड़ी अत्यंत संवेदनशील जानकारी है। बायोमेट्रिक डेटा भी ऐसा ही है। इसलिए राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने से पहले यह स्पष्ट होना जरूरी है कि डेटा कौन एकत्र करेगा, किसे उसकी पहुंच होगी, कितने समय तक उसे रखा जाएगा और किस उद्देश्य से उसका इस्तेमाल किया जा सकेगा। बच्चों के मामले में यह सावधानी और भी जरूरी है, क्योंकि वे स्वयं अपने अधिकारों की रक्षा करने की स्थिति में अक्सर नहीं होते। देश को ऐसी व्यवस्था चाहिए जो तेज हो, वैज्ञानिक हो और सबसे बढ़कर-मानवीय हो।

लोकतंत्र में विचारों का टकराव और गटर की भाषा में फंसता सार्वजनिक विमर्श

कुमार कृष्णन
स्तंभकार

सार्वजनिक जीवन में असहमति कोई असामान्य बात नहीं है। लोकतंत्र में विचारों का टकराव होना चाहिए, बहस होनी चाहिए और जरूरत पड़े तो तीखी आलोचना भी होनी चाहिए। लेकिन जब तर्क की जगह निजी जिंदगी, चरित्र, देह और अपमानजनक विशेषण ले लेते हैं, तब बहस केवल अपना स्तर नहीं खोती, बल्कि सार्वजनिक संवाद की मर्यादा पर भी सवाल खड़ा करती है। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत तथा योगगुरु बाबा रामदेव के बीच चल रहा विवाद इसी विडंबना का नया उदाहरण है।

विवाद की शुरुआत कंगना के उस बयान से हुई जिसमें उन्होंने जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन और नई पीढ़ी के संदर्भ में 'गटर जेनरेशन' यानी 'गटर पीढ़ी' जैसी भाषा का इस्तेमाल किया था। इस टिप्पणी की आलोचना स्वाभाविक थी। युवा पीढ़ी के एक हिस्से के आचरण या किसी आंदोलन में शामिल लोगों के व्यवहार पर सवाल उठाने और पूरी पीढ़ी को एक अपमानजनक विशेषण से परिभाषित करने में बड़ा फर्क है। कंगना बाद में यह सफाई देती रही हैं कि उनका निशाना पूरी नई पीढ़ी नहीं, बल्कि युवाओं का एक खास वर्ग था। लेकिन इस सफाई से मूल सवाल खत्म नहीं होता। आखिर किसी लोकतांत्रिक समाज में असहमति जताने के लिए 'गटर' जैसी भाषा क्यों जरूरी हो जाती है? युवा पीढ़ी से शिकायत हो सकती है, उसके तौर-तरीकों पर बहस हो सकती है, सामाजिक माध्यमों की संस्कृति की आलोचना की जा सकती है। मगर पूरी पीढ़ी को नैतिक रूप से घटिया बताना किसी गंभीर राजनीतिक या सामाजिक विमर्श का विकल्प नहीं हो सकता।

बाबा रामदेव ने कंगना की टिप्पणी पर आपत्ति जताई। उन्होंने इसे बिगड़ी या विकृत मानसिकता का संकेत बताया और कंगना के बयान पर सवाल उठाए। यहां तक उनकी आलोचना को सार्वजनिक बहस का हिस्सा माना जा सकता था। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब किसी महिला सार्वजनिक व्यक्तित्व के विचारों का जवाब उसके निजी जीवन, चरित्र या व्यक्तिगत अतीत को कठघरे में खड़ा करके दिया जाने लगे। कंगना ने भी जवाब देने में संयम का रास्ता नहीं चुना। उन्होंने सामाजिक माध्यम पर बाबा रामदेव से कहा कि वे उनकी 'जवानी' या 'शयनकक्ष' के बारे में कल्पना न करें और उनके चरित्र पर टिप्पणी न करें। साथ ही उन्होंने पतंजलि से जुड़े उन न्यायिक विवादों का उल्लेख किया, जिनमें भ्रामक विज्ञापनों और चिकित्सकीय दावों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की कार्रवाई हुई थी। यहीं इस पूरे प्रकरण की असली विडंबना सामने आती है। जिस विवाद की शुरुआत युवाओं की भाषा और आचरण को लेकर हुई थी, वह कुछ ही समय में दो सार्वजनिक व्यक्तित्वों की निजी जिंदगी और चरित्र पर पहुंच गया। यानी जिस 'गटर' भाषा की आलोचना की जा रही थी, बहस उसी के आसपास घूमने लगी।

सार्वजनिक जीवन में यह प्रवृत्ति नई नहीं है। राजनीति, सिनेमा, धर्म और सामाजिक माध्यमों के मेल ने एक ऐसा सार्वजनिक क्षेत्र बना दिया है जहां विचार से ज्यादा बयान की उत्तेजना बिकती है। जितना तीखा वाक्य, उतनी अधिक चर्चा। जितना व्यक्तिगत हमला, उतनी अधिक लोगों की दिलचस्पी। परिणाम यह कि संवाद धीरे-धीरे तर्क से हटकर तमाशे में बदलता जा रहा है। कंगना रनौत केवल अभिनेत्री नहीं हैं; वे निर्वाचित सांसद भी हैं। इसलिए उनके शब्दों की जिम्मेदारी एक सामान्य सामाजिक माध्यम उपयोगकर्ता से अधिक है। उन्हें किसी पीढ़ी की आलोचना करनी है तो वह आंकड़ों, अनुभवों और तर्क के आधार पर कर सकती हैं। छात्र आंदोलन में उन्हें अनुशासनहीनता दिखाई देती है तो उस पर बात हो सकती है। सामाजिक माध्यमों पर युवाओं की भाषा से आपत्ति है तो उस पर बहस हो सकती है। लेकिन 'गटर जेनरेशन' जैसे शब्द किसी निर्वाचित प्रतिनिधि की आलोचनात्मक क्षमता को मजबूत नहीं करते, बल्कि उसे कमजोर करते हैं। इसी तरह बाबा रामदेव का सार्वजनिक प्रभाव केवल योग शिविरों तक सीमित नहीं है। वे लंबे समय से स्वास्थ्य, स्वदेशी, जीवनशैली और सामाजिक मूल्यों पर सार्वजनिक राय बनाते रहे हैं। ऐसे व्यक्ति से अपेक्षा और भी अधिक होती है कि वह किसी महिला या राजनीतिक व्यक्तित्व की आलोचना करते समय उसके निजी जीवन और चरित्र की ओर न जाए। किसी के विचार को गलत बताने के लिए उसके निजी जीवन की पड़ताल जरूरी नहीं होती। यहां एक और महत्वपूर्ण बात है। कंगना ने अपने जवाब में पतंजलि से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय के मामले का उल्लेख किया। वर्ष 2024 में सर्वोच्च न्यायालय ने पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों से जुड़े मामले में बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही की थी और बाद में उनकी माफी स्वीकार की गई। इसलिए कंगना का यह संदर्भ पूरी तरह अफवाह पर आधारित नहीं था। लेकिन किसी न्यायिक कार्रवाई का होना भी इस बात का प्रमाण नहीं कि उससे जुड़े व्यक्ति के चरित्र पर हर तरह की निजी टिप्पणी उचित हो जाती है। अदालत का फैसला तथ्य और कानून के दायरे में होता है, सामाजिक माध्यम की बहस अक्सर आरोप और व्यंग्य के दायरे में चली जाती है। यही फर्क समझना आज के सार्वजनिक विमर्श की सबसे बड़ी जरूरत है।

किसी व्यक्ति की आलोचना और उसके चरित्रहनन के बीच एक महीन लेकिन निर्णायक रेखा होती है। आलोचना व्यक्ति के सार्वजनिक काम, विचार और आचरण से जुड़ी होती है; चरित्रहनन उसकी निजी जिंदगी को हथियार बना देता है। लोकतंत्र की सेहत इस बात पर निर्भर करती है कि हम इस रेखा को कितना बचा पाते हैं। 'गटर जेनरेशन' और 'गटर छाप' जैसी भाषा अंततः उसी सार्वजनिक संस्कृति को जन्म देती है जिसकी शिकायत करने वाले स्वयं करते हैं। अगर सार्वजनिक जीवन के लोग वास्तव में समाज को बेहतर भाषा देना चाहते हैं, तो उन्हें पहले अपनी भाषा की जिम्मेदारी स्वीकार करनी होगी।

देश को नेताओं, अभिनेताओं, संतों और सार्वजनिक हस्तियों के बीच ऐसी बहस की जरूरत नहीं है जिसमें जीत इस बात से तय हो कि किसने दूसरे को ज्यादा निजी और ज्यादा अपमानजनक जवाब दिया। देश को उस बहस की जरूरत है जिसमें युवा पीढ़ी के सवालों का उत्तर मिले, छात्र आंदोलनों के कारणों पर चर्चा हो, शिक्षा व्यवस्था की कमियों पर बात हो और सार्वजनिक जीवन में नैतिकता का अर्थ केवल दूसरों के चरित्र का मूल्यांकन करना न रह जाए। आखिर 'गटर' से बाहर निकलने का रास्ता किसी दूसरे को गटर कहने से नहीं, भाषा को साफ करने और बहस को मुद्दे पर वापस लाने से ही निकलेगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस

कमजोर होती जा रही सामाजिक संवेदनाओं में हमारे वृद्धजनों को चाहिए उम्मीद के उजाले

ललित गर्ग
स्तंभकार

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस समाज के अंतर्मन को झकझोरने एवं वृद्धों की त्रासद स्थितियों पर सोचने को विवश करता है कि जिन हाथों ने परिवार की नींव रखी, जिन कंधों ने बच्चों के भविष्य का भार उठाया और जिन अनुभवों ने जीवन की अनेक कठिन राहों को पार करने में अगली पीढ़ियों का मार्गदर्शन किया, उन्हीं वृद्ध माता-पिता को जीवन के अंतिम पड़ाव में अकेलापन, उपेक्षा, असुरक्षा और अपमान क्यों झेलना पड़ रहा है? निश्चित ही कहीं-न-कहीं हमारी सामाजिक संवेदना कमजोर हुई है। जिस समाज में बुजुर्गों का सम्मान सहज संस्कार होना चाहिए था, वहां उनके अधिकारों और सुरक्षा के लिए अलग से दिवस मनाना हमारी सामूहिक आत्मचिंता का विषय है। भारत तेजी से वृद्ध होती आबादी की ओर बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार 2050 तक भारत की आबादी में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत हो सकती है; यानी हर पांच भारतीयों में लगभग एक वरिष्ठ नागरिक होगा। यह केवल जनसांख्यिकीय परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवस्था के सामने आने वाली एक बड़ी चुनौती है। अधिक उम्र तक जीना मानव सभ्यता की उपलब्धि है, लेकिन यदि लंबी आयु के साथ अकेलापन, बीमारी, आर्थिक असुरक्षा और भावनात्मक उपेक्षा जुड़ जाए तो दीर्घ जीवन वरदान के बजाय बोझ जैसा अनुभव होने लगता है।

भारत की पारंपरिक संस्कृति में वृद्ध व्यक्ति परिवार के मुखिया, मार्गदर्शक और अनुभव के भंडार माने जाते थे। संयुक्त परिवार में उनकी भूमिका केवल निर्णय लेने तक सीमित नहीं थी, बल्कि वे परिवार की स्मृति, परंपरा और संस्कारों के जीवंत केंद्र होते थे। लेकिन तेजी से बदलती जीवनशैली, महानगरीय संस्कृति, रोजगार के लिए पलायन, छोटे परिवारों की प्रवृत्ति, उपभोक्तावाद और बढ़ती व्यक्तिवादी सोच ने इस व्यवस्था को बदल दिया है। आज कई वृद्ध अपने ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से अकेले हैं। उनके पास रहने को छत है, लेकिन संवाद के लिए कोई अपना नहीं; परिवार है, लेकिन समय नहीं; संतान है, लेकिन अपनापन कम होता जा रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस वृद्ध ने जीवनभर परिवार को अपने केंद्र में रखा, सेवानिवृत्ति के बाद वही परिवार उसे अपने केंद्र से बाहर करने लगता है। नौकरी में रहते हुए जिस व्यक्ति की सलाह महत्वपूर्ण थी, नौकरी से मुक्त होते ही उसकी उपयोगिता जैसे समाप्त मान ली जाती है।

वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या इसी बदलती सामाजिक संरचना का संकेत है। हर वृद्धाश्रम दुख की कहानी नहीं है; कुछ स्थानों पर वे अकेले और असहाय वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षा और देखभाल का महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। लेकिन जब वृद्धाश्रम उन माता-पिता का अंतिम ठिकाना बन जाए जिन्हें सक्षम संतान केवल इसलिए घर से दूर कर देती है कि वे आधुनिक जीवन की सुविधाओं के बीच 'असुविधा' बन गए हैं, तब प्रश्न केवल परिवार का नहीं, पूरे समाज के संस्कारों का बन जाता है। संपत्ति अपने नाम कराने के बाद माता-पिता से दूरी बना लेना, उनकी बीमारी को बोझ समझना या उन्हें केवल घरेलू जिम्मेदारियों के लिए उपयोग करना ऐसी प्रवृत्तियां हैं, जिन पर समाज को गंभीर आत्ममंथन करना चाहिए। यह भी सच है कि वृद्धावस्था की समस्या केवल युवाओं की संवेदनहीनता से पैदा नहीं होती। वरिष्ठ नागरिकों को भी बदलते समय के साथ स्वयं को बदलना होगा। नई पीढ़ी की स्वतंत्रता, निजी निर्णय और जीवनशैली को समझना होगा। अनावश्यक हस्तक्षेप से बचते हुए अपने अनुभव को आदेश नहीं, मार्गदर्शन के रूप में प्रस्तुत करना होगा। उम्र बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन मन का बूढ़ा हो जाना अनिवार्य नहीं। वरिष्ठ नागरिक यदि सामाजिक गतिविधियों, अध्ययन, सेवा, आध्यात्मिकता, सामुदायिक कार्यक्रमों और रचनात्मक कार्यों से जुड़े रहें तो उनका जीवन अधिक सक्रिय, सार्थक और आनंदपूर्ण बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट का कल आया फैसला बुजुर्गों के लिए कानूनी संजीवनी की तरह है जिसमें न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यदि संतान माता-पिता की देखभाल और भरण-पोषण की जिम्मेदारी निभाने में विफल रहती है, तो वरिष्ठ नागरिकों की संपत्ति और सम्मान की रक्षा के लिए कानून के तहत बच्चों को उस संपत्ति से बेदखल करने का रास्ता खुला है।

सरकार की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। विशेष रूप से 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आय की परवाह किए बिना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवरेज देना एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार के अनुसार अक्टूबर 2024 में शुरू हुए इस विस्तार से लगभग छह करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य है; जून 2026 तक योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए कवरेज का दायरा इसी दिशा में आगे बढ़ाया गया है।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस की वास्तविक सार्थकता तभी होगी जब यह एक दिन का आयोजन न रहकर जीवन की स्थायी दृष्टि बने। परिवार में सप्ताह में एक दिन नहीं, प्रतिदिन संवाद हो; समाज में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सक्रिय सामुदायिक मंच हों; स्थानीय संस्थाएं उन्हें ज्ञान, अनुभव और सेवा के अवसर दें; सरकार स्वास्थ्य, पेंशन और सुरक्षा की व्यवस्थाओं को मजबूत करे और युवा पीढ़ी अपनी सोच में परिवर्तन लाए। वृद्धावस्था जीवन की संध्या है, लेकिन संध्या का अर्थ अंधेरा नहीं होता। वह दिनभर की यात्रा के बाद सुनहरी रोशनी का समय भी हो सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि परिवार उस रोशनी को बुझने न दे। हमारे वृद्ध जीवन के बीते हुए पन्ने नहीं, आने वाली पीढ़ियों के लिए अनुभव की खुली किताब हैं। यदि हम उनके अंतिम वर्षों को भय, अकेलेपन और उपेक्षा से भर देंगे तो हम केवल उनके साथ अन्याय नहीं करेंगे, बल्कि अपनी सभ्यता और संस्कारों को भी कमजोर करेंगे। इसलिए आज संकल्प होना चाहिए-वृद्धों के जीवन में अंधेरा नहीं, सम्मान का उजाला हो; अकेलापन नहीं, अपनापन हो; उपेक्षा नहीं, सहभागिता हो और शेष जीवन बोझ नहीं, आनंद एवं गरिमा का उत्सव बने। यही विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस का वास्तविक संदेश और हमारी सबसे बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

चलने में बार-बार बैलेंस बिगड़े तो सावधान! हो सकता है ब्रेन ट्यूमर का संकेत

चलते समय बार-बार लड़खड़ाना, सीधे खड़े रहने में परेशानी या अचानक शरीर का बैलेंस बिगड़ना अक्सर कमजोरी, चक्कर या कान से जुड़ी समस्या समझ लिया जाता है। लेकिन कुछ मामलों में लगातार चलने और बैलेंस से जुड़ी समस्या मस्तिष्क से जुड़ी बीमारी का संकेत भी हो सकती हैं। ब्रेन ट्यूमर की स्थिति में इसके लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि ट्यूमर मस्तिष्क के किस हिस्से में है, उसका आकार कितना है और वह कितनी तेजी से बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि चलने में परेशानी या बैलेंस न बना पाना हर बार ब्रेन ट्यूमर का संकेत नहीं होता। कई बार यह न्यूरोलॉजिकल, कान से जुड़ी और मांसपेशियों की समस्याएं भी ऐसा कर सकती हैं। इसलिए लक्षणों के पैटर्न और उनके साथ मौजूद दूसरे संकेतों को समझना जरूरी है।

चलने के लिए केवल पैरों की ताकत पर्याप्त नहीं होती। दिमाग को आंखों, कान के बैलेंस सिस्टम, मांसपेशियों और जोड़ों से लगातार सिग्नल्स से सूचना मिलती रहती है। इसके बाद ब्रेन इन सिग्नल्स को कॉर्डिनेट करके शरीर को सीधा रखने और कदमों को नियंत्रित करने में मदद करता है। अगर ब्रेन का कोई ऐसा हिस्सा प्रभावित हो जाए जो मूवमेंट या कॉर्डिनेशन में भूमिका निभाता है, तो चलने के पैटर्न में बदलाव कर सकता है। व्यक्ति को ऐसा लग सकता है कि वह एक तरफ झुक रहा है, कदम ठीक से नियंत्रित नहीं हो रहे हैं या चलते समय शरीर डगमगा रहा है। नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के अनुसार ब्रेन ट्यूमर से जुड़े चलने में परेशानी से पैरों या टांगों की कमजोरी, सुन्नपन या संवेदनशीलता में बदलाव, बैलेंस में परेशानी और थकान शामिल हो सकती है।

नेशनल ब्रेन ट्यूमर सोसाइटी के अनुसार चलने में हर तरह की परेशानी ब्रेन ट्यूमर का संकेत नहीं होता। लेकिन अगर समस्या नई है, लगातार बनी हुई है या समय के साथ बढ़ रही है, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जैसे चलते समय बार-बार लड़खड़ाना या डगमगाना, बिना स्पष्ट कारण बार-बार गिरना, सीधे रास्ते पर चलने में कठिनाई।पैर घसीटकर चलना, एक तरफ शरीर ज्यादा झुकना, सीढ़ियां चढ़ने या उतरने में अचानक परेशानी, खड़े होने पर शरीर का बैलेंस बनाए रखने में दिक्कत और चलने में परेशानी के साथ पैर या हाथ में कमजोरी आदि। चलते समय बैलेंस बिगड़ना ब्रेन ट्यूमर का एक संकेत हो सकता है। लेकिन केवल इन लक्षणों के आधार पर ब्रेन ट्यूमर का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। समस्या का कारण समझने के लिए न्यूरोलॉजिकल जांच और जरूरत पड़ने पर एमआरआई या सीटी जैसी ईमेजिंग महत्वपूर्ण होती है। अगर चलने में परेशानी लगातार बढ़ रही है, बार-बार गिरना हो रहा है या इसके साथ थकान, बोलने, देखने, सिरदर्द या दौरे जैसे लक्षण हैं, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

गज़ल

तेरे - मेरे दरम्याँ है आज-कल

धर्मराज देशराज

ये जहां तीर-ओ-कमाँ है आज-कल
तेरे - मेरे दरम्याँ है आज-कल।
खोजने आओ चलें हम-तुम कहीं
गुमशुदा ईमाँ यहाँ है आज-कल।
होश मे रहना है मेरे दिल तुझे
तेरा - मेरा इम्तिहाँ है आज-कल।
दर्दो-ग़म,आँसू सभी कुछ दे रहा
वक़्त मुझपे मेहरबाँ है आज-कल।
बिजलियाँ घर पे नही दिल पर गिरें
कितना ज़ालिम आस्माँ है आज-कल।
आँख से मज़लूम कहता हाले-दिल
कहने को वो बेज़ुबाँ है आज-कल।
अब ग़ज़ल कहता नही जीता' धरम '
अश्क ही मेरी ज़ुबाँ है आज-कल।

यूजर्स गाइड

24 अगस्त बदलेंगे SIM कार्ड के नियम, पार की सीमा तो बंद हो जाएगा नंबर

ऑनलाइन फर्जीवाड़े और साइबर फ्रॉड को रोकने के लिए दूरसंचार विभाग ने टेलीकॉम कंपनियों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। अब अगर आपके नाम पर पहले से 9 सिम एक्टिव हैं, तो आपको नया सिम कार्ड नहीं मिलेगा। यह नियम 24 अगस्त 2024 से लागू होगा। इससे फर्जीवाड़ा करने वाले स्कैमर्स पर लगाम लगेगी जो एक के बाद एक सिम खरीद कर लोगों के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी करते हैं।

एक सर्कुलर के अनुसार सिम कार्ड जारी करने को लेकर सभी टेलीकॉम कंपनियों को टेक्निकल लेवल पर कड़े कदम उठाने होंगे। इस तारीख के बाद से अगर कोई ग्राहक 9 सिम कार्ड की सीमा को पार कर लेता है, तो उसे नया कनेक्शन देने से मना कर दिया जाएगा। ऐसा होने पर कंपनी ग्राहकों को बताएगी कि वे अधिकतम सीमा को पार कर चुक हैं, जिस वजह से उनहें नया कनेक्शन जारी नहीं किया जा सकता। इस नियम का अच्छे से पालन करने के लिए विभाग ने कंपनियों से DIP यानी डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने के लिए कहा है। इस प्लेटफॉर्म पर सभी कंपनियों के ग्राहकों का डेटा उपलब्ध है।

अगर गलती से किसी ग्राहक के नाम पर 9 से ज्यादा सिम जारी हो जाते हैं, तो उस एक्स्ट्रा नंबर को एक दिन के अंदर सस्पेंड कर दिया जाएगा, जो कि सबसे आखिरी बार जारी किया गया था। जब तक ग्राहक अपने नाम पर जारी सिम कार्ड की संख्या को 9 से कम नहीं कर लेता, तब तक किसी को भी नया सिम कार्ड नहीं दिया जाएगा। स्कैमर्स भी झूठे डॉक्यूमेंट्स लगवाकर आपके नाम पर फर्जी सिम एक्टिव कर सकते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने नाम पर चल रहे सिम कार्ड चेक कर लें। **इसके लिए दूरसंचार विभाग के आधिकारिक TAFCOP पोर्टल:** tafcop.sancharsaathi.gov.in पर जाएं। अपना 10 अंकों का एक्टिव मोबाइल नंबर और स्क्रीन पर दिख रहा कैप्चा (Captcha) दर्ज करें। Validate Captcha या Request OTP पर क्लिक करें। फोन पर आए OTP को भरकर सबमिट करें और लॉगिन करें। स्क्रीन पर आपके नाम (आईडी) पर जारी सभी सक्रिय मोबाइल नंबरों की सूची आ जाएगी। अगर कोई ऐसा नंबर दिखता है जो आपका नहीं है या जिसकी जरूरत नहीं है, तो उसे चुनकर Not My Number या Not Required सिलेक्ट करके Report कर दें। इसके बाद जो भी उस नंबर को इस्तेमाल कर रहा होगा उसे अपने नाम पर नंबर के लिए KYC करानी होगी, वरना वह नंबर बंद कर दिया जाएगा।

वायरल कंटेंट

पाकिस्तान से अफ्रीका गई लड़की, कबीले के लड़के ने पहनाई चूड़ी, बन गई बेगम!

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक पाकिस्तानी इन्फ्लुएंसर का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। राबिया नाम की यह लड़की पाकिस्तान से अफ्रीका घूमने गई थीं। वहां उनकी मुलाकात हमर जनजाति के लोगों से हुई। लेकिन इस मुलाकात के दौरान कबीले के एक युवक ने उन्हें चूड़ी पहना दी। जनजाति के नियमों के मुताबिक अब वह युवक राबिया को अपनी पत्नी बता रहा है। बिना किसी औपचारिक निकाह के यह रिवाज सोशल मीडिया पर हंसी और हैरानी का विषय बन गया है। वीडियो में राबिया को हमर जनजाति के बीच देखा जा सकता है। कबीले के एक युवक ने उन्हें चूड़ियां पहनाई थी। स्थानीय रिवाज के अनुसार चूड़ी पहनाना विवाह का प्रतीक माना जाता है। इसलिए युवक अब राबिया को अपनी बेगम बता रहा है। राबिया ने खुद यह वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। वीडियो देखकर लोग अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं। कुछ यूजर्स इसे मजेदार सांस्कृतिक अनुभव बता रहे हैं तो कुछ हैरानी जता रहे हैं कि बिना निकाह के कैसे पत्नी मान लिया गया।

हमर जनजाति अफ्रीका के कुछ हिस्सों में रहती है और उनकी अपनी पारंपरिक रीति-रिवाज हैं। विभिन्न जनजातियों में विवाह और रिश्ते तय करने के तरीके अलग-अलग होते हैं। कुछ जगहों पर प्रतीकात्मक वस्तुएं जैसे गहने या चूड़ी पहनाना रिश्ते की शुरुआत या स्वीकारोक्ति का निशान माना जाता है। इस वीडियो में भी यही दावा किया जा रहा है कि चूड़ी पहनाने के बाद राबिया जनजाति के रिवाज के मुताबिक उस युवक की पत्नी बन गई हैं। राबिया एक इन्फ्लुएंसर हैं और अलग-अलग जगहों की संस्कृति और जीवनशैली दिखाती रहती हैं।

सोशल मीडिया पर शेयर करने के बाद वीडियो को हजारों लोग देख चुके हैं और कमेंट्स में हंसी के साथ तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कुछ लोग लिख रहे हैं कि यह तो कमाल का रिवाज है। कोई कह रहा है कि अब राबिया अफ्रीका की बहू बन गई है। कुछ यूजर्स मजाक में पूछ रहे हैं कि निकाह कब होगा या फिर पाकिस्तान वापस कैसे आएंगी। वहीं कुछ गंभीर टिप्पणियां भी हैं जिनमें सांस्कृतिक अंतर को समझने की बात कही जा रही है। ट्रैवल इन्फ्लुएंसर्स जब दूर-दराजी या जनजातीय इलाकों में जाते हैं तो स्थानीय रीति-रिवाजों का सामना करना आम बात है। कभी-कभी ये अनुभव मजेदार वीडियो का रूप ले लेते हैं। यह घटना सांस्कृतिक विविधता को भी रेखांकित करती है। दुनिया भर में विवाह और रिश्तों को लेकर अलग-अलग परंपराएं हैं।

जयपुर का आरोपी सोशल मीडिया पर हाईप्रोफाइल तलाकशुदा महिलाओं से दोस्ती कर बनाता था शिकार

बिजनेसमैन की तलाकशुदा बेटी को शादी के सपने दिखाकर खर्च कराए 1.27 करोड़

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

उज्जैन पुलिस ने हाईप्रोफाइल परिवार की तलाकशुदा महिलाओं को सोशल मीडिया के जरिए अपने जाल में फंसाने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जयपुर का रहने वाला 36 वर्षीय मनीष तलाकशुदा महिलाओं को शादी का झांसा देकर अपने जाल में फंसाता और फिर महंगे शौक पूरे कराने के नाम पर रुपए ऐंठता था। पुलिस ने आरोपी को राजस्थान के पाली से गिरफ्तार किया है।

आरोपी मनीष ने उज्जैन के एक बिजनेसमैन की बेटी को अपने जाल में फंसाकर अपना शिकार बनाया था। आरोपी करीब तीन-चार महीने में 1.27 करोड़ रुपए महिला से खर्च करा चुका था। महिला ने शुरुआती शिकायत में पुलिस को केवल 35 लाख रुपए की जानकारी दी थी। पूछताछ और लेन-देन की जांच में रकम 1.27 करोड़ रुपए सामने आई। पुलिस के अनुसार आरोपी फिल्मों से प्रभावित था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार मोबाइल नंबर और ठिकाने बदलता रहता था। जांच में धार और निम्बाहेड़ा की दो महिलाओं को भी इसी तरह अपने जाल में फंसाने की जानकारी सामने आई है। एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि महिला ने 13 मई 2026 को माधवनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि मनीष पिता तीरथदास, निवासी मानसरोवर, जयपुर ने शादी का झांसा देकर उससे संबंध बनाए और भरोसे में लेकर रुपए व महंगे सामान पर खर्च करवाए। शुरुआती शिकायत में करीब 35 लाख रुपए की रकम बताई गई थी। पुलिस ने बलात्कार और धोखाधड़ी की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपी को पाली से गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि महिला ने आरोपी पर करीब 1.27 करोड़ रुपए खर्च किए थे। पुलिस अब बैंक ट्रांजैक्शन, ऑनलाइन शॉपिंग, नकद लेन-देन और खरीदे गए सामान का पूरा हिसाब जुटा रही है।

रईस परिवारों की महिलाओं को करता था टारगेट

टीआइ गजेंद्र पचोरिया के अनुसार आरोपी मनीष संभ्रांत और रईस परिवारों की महिलाओं को टारगेट करता था। सोशल मीडिया या परिचितों के जरिए महिलाओं से दोस्ती करने के बाद उनके पड़ोस में किराए का मकान लेता था। नजदीकी बढ़ने पर शादी का झांसा देता और कभी बिजनेस शुरू करने, तो कभी कारोबार में नुकसान होने की बात कहकर उनसे रुपए खर्च करवाता था। पुलिस के मुताबिक आरोपी को महंगे जूते-कपड़े, मोबाइल, वाहन और लग्जरी सामान का शौक था। पुलिस ने उसके पास से मोबाइल, नकदी और ऑनलाइन खरीदा गया सामान जब्त किया है।

धार और निम्बाहेड़ा की महिलाओं को बनाया शिकार

जांच में सामने आया है कि आरोपी ने धार की एक महिला को अहमदाबाद में पत्नी बनाकर रखा है। वहीं, निम्बाहेड़ा की एक अन्य महिला को भी इसी तरह शादी का झांसा देने की जानकारी मिली है। हालांकि दोनों महिलाएं अब तक पुलिस के सामने नहीं आई हैं। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी ने अन्य कितनी महिलाओं को इसी तरीके से अपने जाल में फंसाया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने एक ज्वेलरी दुकान भी शुरू की थी, जहां महिला उससे मिलने आती थी। पुलिस अब दुकान के दस्तावेज, लेन-देन और संचालन की जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि दुकान वास्तव में कारोबार के लिए खोली गई थी या महिला से संपर्क बनाए रखने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता था।

न्यूज विंडो

मंडला में नाला पार करते तेज बहाव में आए मवेशी

मंडला। मंडला जिले के मोहगांव ब्लॉक की ग्राम पंचायत मचला में एक नाला पार करते समय कुछ मवेशी तेज बहाव में आकर बह गए। लगातार बारिश के कारण नाले में पानी का बहाव बहुत तेज था। नाला पार करते समय कुछ मवेशी पानी के तेज बहाव में बहने लगे। हालांकि, वे कुछ दूरी तक बहने के बाद सुरक्षित रूप से किनारे पर पहुंच गए। इस घटना में किसी भी मवेशी को कोई नुकसान नहीं हुआ।

सिवनी पुलिस ने कार में बंद 6 गौवंश को कराया मुक्त

सिवनी। जिले की कोतवाली पुलिस ने देर रात बैनगंगा नदी, लखनवाड़ा और बम्होड़ी के बीच नाकाबंदी कर अवैध गौवंश परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने एक कार की डिग्गी में अमानवीय तरीके से बांधकर ले जाए जा रहे छह गौवंश को मुक्त कराया और एक आरोपी को गिरफ्तार किया। वहीं, दूसरा आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया।

नपा में हुई जनसुनवाई, नागरिकों की समस्याओं का किया समाधान

नर्मदापुरम। नगरपालिका कार्यालय में गुरुवार को जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी, वरिष्ठ उपयंत्री मुकेश जैन एवं उपयंत्री दीक्षा तिवारी ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनका यथासंभव निराकरण किया। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के निर्देशन में नगरपालिका में नियमित रूप से जनसुनवाई की जा रही है। इसमें नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंच रहे हैं, जिनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जा रहा है। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने समग्र आईडी में सुधार, राशन कार्ड समर्पण तथा स्वच्छता से संबंधित समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। अधिकारियों ने संबंधित समस्याओं को सुनते हुए आवश्यक कार्रवाई कर उनका संतोषजनक समाधान किया। जनसुनवाई से नागरिकों को नगरपालिका कार्यालय में ही समस्याओं के निराकरण की सुविधा मिल रही है।

कल निकलेगी नमामि देवी नर्मदे संस्कार कांवड़ यात्रा

नर्मदापुरम। नमामि देवी नर्मदे संस्कार कांवड़ यात्रा शनिवार को श्रद्धा और भक्ति के माहौल में निकाली जाएगी। यात्रा की तैयारियों को लेकर सर्किट हाउस में प्रेसवार्ता आयोजित की गई। इसमें मप्र तैराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, जनपद पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव एवं भाजपा नेता हंस राय ने यात्रा की रूपरेखा की जानकारी दी। पीयूष शर्मा ने बताया कि कांवड़ यात्रा विवेकानंद घाट से प्रारंभ होकर काले महादेव मंदिर पहुंचेगी। यहां भगवान शिव का अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद पौधारोपण कार्यक्रम होगा। यात्रा में शामिल कांवड़िये नर्मदा तटों पर पौधे भी लगाएंगे। उन्होंने बताया कि यात्रा में धर्मगुरु, धर्माचार्य, कथा वाचक और पुरोहितों सहित 5 हजार से अधिक श्रद्धालु शामिल होंगे। यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है।

बदमाशों ने घर में घुसकर मचाया उत्पात, किया जानलेवा हमला

हथियारबंद बदमाशों ने परिवार को बंधक बनाकर की लाखों की लूट

धार। दोपहर मेट्रो

कुक्षी नगर के सुतार मोहल्ले में देर रात हथियारबंद बदमाशों ने एक मकान में घुसकर परिवार को बंधक बनाकर लाखों की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। वारदात के दौरान घर के एक सदस्य ने जब विरोध किया तो बदमाशों ने उस पर जानलेवा हमला कर घायल कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही कुक्षी थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान टीम सहित मौके पर पहुंचे और परिजनों से चर्चा की। हथियारों की नोक पर हुई वारदात के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

मकान मालिक कैलाश मनावरिया के अनुसार देर रात करीब 2 बजे 6-7 अज्ञात हथियारबंद बदमाश पीछे की ओर से घर में दाखिल हुए। घर में घुसते ही बदमाशों ने परिवार के सदस्यों पर फलिया, तीर-कमान सहित अन्य हथियार तानकर उन्हें बंधक बना लिया और चोरी करने लगे। इसी दौरान परिवार के पुत्र प्रकाश मनावरिया ने हिम्मत दिखाते हुए बदमाशों का विरोध किया और उन पर पलटवार किया। इस दौरान प्रकाश और एक बदमाश के बीच संघर्ष हुआ जिसमें प्रकाश गंभीर रुप से घायल हो गया, उसे सिर और अन्यक हिस्सों में चोटें आई हैं। परिवार के

मुताबिक बदमाश घर से सोने के आभूषण और नगदी सहित करीब डेढ लाख रुपये से अधिक का समान चोरी कर फरार हो गए है, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर बदमाशों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। थाना प्रभारी चौहान के अनुसार सुतार मोहल्ले में देर रात हथियारबंद बदमाशों ने एक मकान में घुसकर परिवार को बंधक बनाकर वारदात को अंजाम दिया है, प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु की गई है साथ ही पुलिस टीमें क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगाल रही है, जल्दर की बदमाश गिरफ्तार होंगे।

लूट का प्रयास करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

कुक्षी तहसील के ग्राम धुलसर में लूट का प्रयास करने वाले फरार तीन आरोपियों को पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने छोटी पुलिया के समीप ग्रामीण को रोका व फालिये से हमला कर लूट करने की कोशिश की थी, हालांकि बदमाश कुछ सामान तो नहीं ले जा सके। किंतु ग्रामीण को घटना के दौरान चोट आई थी, पुलिस ने मुखबित तंत्र की सूचना के आधार पर सुनील पिता करम सिंह भूरिया उम्र 18 वर्ष निवासी ग्राम कुंडली, लोकेश पिता भंगड़ा मसानिया उम्र 20 वर्ष निवासी तड़वी व ठाकुर पिता सुमन बामनिया उम्र 18 वर्ष निवासी बामनिया को गिरफ्तार किया है।

दरअसल घटना 31 जुलाई को फरियादी अंबालाल पिता बरकतसिंह तड़वाल निवासी रेबड़दा ने थाने पर आकर रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि शाम करीबन 6 बजे करीब धुलसर से आगे छोटी पुलिया मोड़ के पास ग्राम धुलसर में अज्ञात बदमाशों द्वारा फालिया से हमला कर घायल कर लूट का प्रयास किया गया था। जिस पर थाना कुक्षी में प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश हेतु पुलिस टीम गठित की गई थी। पुलिस टीम द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपियों को निमथल-लांगसरी क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डाबर एवं एसडीओपी कुक्षी सुनील गुप्ता के मार्गदर्शन सफलता प्राप्त की गई। थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान के अनुसार पुलिस द्वारा आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर प्रकरण में प्रयुक्त मोटरसाइकिल एवं घटना में प्रयुक्त हथियार को जप्त किया गया है। प्रकरण में आरोपियों को माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है जहां से उनका पुलिस रिमांड प्राप्त करके अन्य प्रकरणों के संबंध में भी उनसे पूछताछ की जाएगी। प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

ट्रक ने एक साथ दो सगी बहनों का उजाड़ा सुहाग, बच्चों को रोता छोड़ गए दो सादू भाई

विदिशा। दोपहर मेट्रो

जिले में नेशनल हाईवे-752 बी पर नेवलीपुरा के पास बीती रात को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो की मौत हो गई। ट्रक की चपेट में आने से हादसा इतना भीषण था कि एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दूसरे को पुलिस की मदद से तत्काल लटेरी अस्पताल पहुंचाया गया। यहां डॉक्टर ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक सादू भाई थे। इसका मतलब यह है कि दो सगी बहनों का सुहाग एक रात में उजड़ गया। टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक फरार की तलाश में जुटी पुलिस।

जानकारी के अनुसार चोपन कला, जिला गुना निवासी हरिचरण अहिरवार पिता देवचंद अहिरवार पिछले करीब दो महीने से लटेरी में रहकर बड़ी मदगन के पास भुट्टे बेचने का काम कर रहा था। वह रिश्तेदार नीतेश अहिरवार पिता गोवर्धन अहिरवार, निवासी बलरामपुर लटेरी, के साथ बाइक से लटेरी की ओर लौट रहा था। इसी दौरान नेवलीपुरा के पास बाइक ट्रक की चपेट में आ गई। हादसे में हरिचरण की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घायल को पुलिस आरक्षक मोहन भंवर और पायलट रसीद खां की मदद से लटेरी अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉ. विशाल उपाध्याय ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।

हादसे के बाद पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रक को मौके से पकड़कर अपने कब्जे में ले लिया जबकि चालक फरार हो गया। थाना प्रभारी ने बताया कि ट्रक चालक हादसे के बाद मौके से भाग गया है। ट्रक को जब्त कर मामले की जांच की जा रही है और फरार चालक की तलाश की जा रही है।

मृतक हरिचरण अहिरवार के दो छोटे बच्चे हैं। वह लटेरी में रहकर भुट्टे बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में मातम छा गया। अचानक हुए हादसे से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। बता दे की मृतक आपस में सादू भाई थे। यानि दो सगी बहनों का एक साथ सुहाग उजड़ गया। घटना के बाद मृतक हरण का शव अस्पताल लाने के लिए कोई वहां नहीं मिला। मजबूरन पुलिस को कचरा ट्राली से शव को अस्पताल लाया गया। इसको लेकर तरह-तरह की चर्चा रही।

लोकायुक्त की कार्रवाई: प्राइवेट ऑफिस में सात हजार रुपए घूस लेते महिला पटवारी गिरफ्तार

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। लगभग हर दूसरे दिन कहीं न कहीं लोकायुक्त टीम रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ रही है लेकिन इसके बावजूद रिश्वतखोर बाज आते नजर नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला राजगढ़ जिले से सामने आया है। यहां भ्रष्टाचार के खिलाफ भोपाल लोकायुक्त की टीम ने बीते दिन एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

भूमि नामांतरण की कार्रवाई के बदले सात हजार रुपए रिश्वत मांगने की शिकायत पर लोकायुक्त पुलिस, भोपाल संभाग ने गुरुवार को जीरापुर में ट्रैप कार्रवाई की। लोकायुक्त टीम ने पटवारी सीमा दांगी को सह-आरोपी के माध्यम से रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। लोकायुक्त के अनुसार ग्राम श्यामपुरा निवासी राम प्रसाद दांगी ने 13 अगस्त को भूमि नामांतरण के संबंध में शिकायत की थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि ग्राम खेजड़िया के हल्का नंबर-78 में स्थित खसरा नंबर 407/1 की भूमि के

नामांतरण के लिए आवेदन किया था। आवेदन की प्रगति जानने के लिए संबंधित पटवारी से संपर्क करने पर नामांतरण की कार्रवाई के बदले सात हजार रुपए रिश्वत मांगने का आरोप लगाया गया। शिकायत के सत्यापन में रिश्वत की मांग की पुष्टि होने के बाद पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार पाटीदार के निर्देशन में ट्रैप दल गठित किया गया और कार्रवाई की योजना बनाई।

लोकायुक्त टीम के अनुसार बीते दिन सिरपोई कॉलोनी स्थित पटवारी के निजी कार्यालय में कार्रवाई की गई। लोकायुक्त के अनुसार पटवारी सीमा दांगी ने सह-आरोपी जमना प्रसाद उर्फ बबलू वर्मा के माध्यम से सात हजार रुपए की रिश्वत ली, तभी टीम ने दोनों को पकड़ लिया। लोकायुक्त पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। कार्रवाई उप पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में निरीक्षक रजनी तिवारी, जी.एस. मर्सकोले, प्रधान आरक्षक मुकेश पटेल एवं आरक्षक मनमोहन साहू, रवि शर्मा, प्रसेनजीत, हेमेन्द्र पाल, हिम्मत सिंह एवं रक्षा परमार द्वारा की गई।

मेट्रो एंकर — शिव मंदिर में चल रही श्री शिवमहापुराण कथा में बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालु

शिव पाने के लिए पार्वती की तपस्या की सुनाई कथा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

गांधी चौक स्थित पुरानी नगर पालिका के पीछे शिव मंदिर में चल रही श्री शिवमहापुराण कथा में कथा व्यास पंडित धर्मेन्द्र भार्गव ने माता पार्वती की कठोर तपस्या का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए माता पार्वती ने अटूट संकल्प के साथ घोर तपस्या की। कथा प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा व्यास ने बताया कि माता पार्वती बचपन से ही भगवान शिव के प्रति अनन्य भक्ति रखती थीं। भगवान शिव को पुनः पति रूप में प्राप्त करने के संकल्प के साथ उन्होंने राजमहल के सुखों का त्याग कर वन में कठिन तपस्या प्रारंभ की।

तपस्या के दौरान माता पार्वती ने पहले फलाहार किया, फिर केवल पत्तों का सेवन किया और अंततः

पत्तों का भी त्याग कर दिया। इसी कारण उनका नाम 'अपर्णा' पड़ा। तपस्या से उनका शरीर क्षीण होता गया, लेकिन भगवान शिव के प्रति उनकी श्रद्धा और संकल्प लगातार मजबूत होता गया। पंडित धर्मेन्द्र भार्गव ने कहा कि माता पार्वती की तपस्या केवल भगवान शिव को प्राप्त करने की कथा नहीं, बल्कि धैर्य, निष्ठा, त्याग और अटूट विश्वास का संदेश देती है। सच्चे संकल्प और ईश्वर के प्रति समर्पण से कठिन से कठिन परिस्थितियों का सामना किया जा सकता है। माता पार्वती की कठोर साधना का प्रभाव तीनों लोकों में दिखाई देने लगा। देवताओं ने भी उनकी तपस्या की महिमा को स्वीकार किया। अंततः माता पार्वती की साधना से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें स्वीकार किया और शिव-पार्वती के दिव्य विवाह का मार्ग प्रशस्त हुआ। कथा के दौरान माता पार्वती की तपस्या का प्रसंग सुनते ही कथा पंडाल 'हर-हर महादेव' और 'माता पार्वती की जय' के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ श्री शिवमहापुराण कथा का श्रवण किया।

न्यूज विंडो

पूर्व पीएम राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेसियों ने किया श्रद्धासुमन अर्पित

तेंदूखेड़ा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की जन्म जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए और देश के लिए उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राजीव गांधी ने देश में आधुनिक तकनीक, संचार और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल की। युवाओं को आगे बढ़ाने तथा देश को आधुनिक दिशा देने में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके बताए मार्ग पर चलने और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नीलेश यादव, मदन नामदेव, ऋषभ जैन, मंडलम अध्यक्ष प्रमोद बेन, पितांबर साहू, रामकुमार साहू, गौरव दुबे, रघुनाथ यादव, रतन साहू, लक्ष्मण बेन, बलिराम अहिरवार, सोनी यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके आदर्शों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को नमन किया।

बालाघाट में कृषि विस्तार अधिकारी काम बंद हड़ताल पर, कामकाज ठप

बालाघाट। बालाघाट में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी ई-एचआरएमएस प्रणाली में ऑनलाइन अटेंडेंस के विरोध में काम बंद हड़ताल पर उतरे। इस हड़ताल के कारण कृषि से संबंधित मैदानी और कार्यालयीन दोनों कार्य ठप्प हो गए हैं। ये अपनी अन्य मूलभूत सुविधाओं की भी मांग कर रहे हैं। जिले के डेढ़ सौ से अधिक ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी बालाघाट मुख्यालय में चरणबद्ध आंदोलन के तहत हड़ताल कर रहे हैं।

सरकारी जमीन पर चबूतरा बनाया सूचना मिलते ही प्रशासन ने हटाया

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के तहसील कार्यालय परिसर में सरकारी जमीन पर एक रात में चबूतरा बनाकर त्रिशूल स्थापित कर दिया गया। इसके बाद यहां नाग देवता का मंदिर बना दिया गया। निर्माण तहसीलदार के कक्ष की ओर जाने वाले रास्ते के किनारे किया गया था। मामले की जानकारी सामने आने के बाद अधिकारियों में भी हड़कंप मच गया। सूचना पर नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। कार्रवाई से पहले चबूतरे पर रखा त्रिशूल निकालकर सुरक्षित जगह पर रखा गया। इसके बाद चबूतरे और मंदिर के बाकी हिस्से को तोड़कर हटा दिया गया है।

प्रसव के 20 दिन बाद महिला की संदिग्ध मौत, जांच में जुटी पुलिस

छिंदवाड़ा। जिले के बम्हनीलाला निवासी 35 वर्षीय गीता पति अरविंद रघुवंशी की प्रसव के करीब 20 दिन बाद बुधवार को अचानक मौत हो गई। प्रसव के बाद गीता अपने मायके में रह रही थी। बुधवार को अचानक पैरों में तेज दर्द की शिकायत के बाद परिजन उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन हालत बिगड़ती चली गई। जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।अस्पताल चौकी पुलिस के अनुसार गीता का 30 जुलाई को अम्मा अस्पताल में सीजर ऑपरेशन से प्रसव हुआ था। प्रसव के बाद कुछ दिनों तक अस्पताल में उपचार चला। हालत सामान्य होने पर 4 अगस्त को उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। इसके बाद गीता अपने मायके में रह रही थी। गीता ने अचानक पैरों में दर्द होने की बात परिजनों को बताई। शुरुआत में परिजनों ने इसे सामान्य परेशानी मानते हुए उपचार कराने का निर्णय लिया। उसे तत्काल अम्मा अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को देखते हुए निजी अस्पताल ले जाने की सलाह दी। परिजन गीता को निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच की, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

वन विभाग की कार्रवाई पर उठे सवाल, अधिकारी बोले-होगी कार्रवाई

जंगल में मवेशियों की हड्डियों का लगा ढेर, अवैध कारोबार की आशंका

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वन परिक्षेत्र तेंदूखेड़ा के अंतर्गत नगर से लगे खकरिया-नरगुवा जंगलों में मृत मवेशियों के शव और अवशेष बड़ी संख्या में मिलने का मामला सामने आया है। जंगल में जगह-जगह हड्डियों के ढेर लगे होने से दुर्गंध फैल रही है, जिससे आसपास से गुजरने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पर्यावरण प्रेमियों ने इसे गंभीर मामला बताते हुए वन विभाग से जांच और कार्रवाई की मांग की है।

स्थानीय लोगों के अनुसार खकरिया बीट में मुख्य मार्ग से करीब आधा किलोमीटर अंदर बड़ी संख्या में मृत मवेशियों के शव, हड्डियां और अन्य अवशेष पड़े हुए हैं। बताया गया कि करीब एक किलोमीटर के दायरे में कई स्थानों पर इस तरह के अवशेष दिखाई देते हैं। बारिश के मौसम में इनके सड़ने-गलने से दुर्गंध और बढ़ गई है। लोगों ने आशंका जताई है कि इससे जंगल का वातावरण प्रभावित होने के साथ पशु-पक्षियों और वन्यजीवों में संक्रमण फैलने का खतरा भी बना हुआ है।

हड्डियों के संग्रह व परिवहन को लेकर उठाए कई सवाल

जानकारी के अनुसार क्षेत्र में मृत मवेशियों से प्राप्त हड्डियों को जंगल के अंदर एकत्रित कर ढेर के रूप में रखा जाता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन हड्डियों को सुखाने के लिए किसी रासायनिक पदार्थ का इस्तेमाल किया जाता है और बाद में वाहन के माध्यम से बाहर ले जाया जाता है। बताया गया कि सप्ताह में एक बार जबलपुर जिले से वाहन आकर हड्डियों को एकत्रित कर ले जाता है। हालांकि इस पूरे मामले की आधिकारिक पुष्टि और जांच होना बाकी है।

अब कार्रवाई की जाएगी

वन परिक्षेत्र अधिकारी श्रेयांस जैन का कहना है कि मुझे आपके माध्यम से पता चला है कि जंगल में मवेशियों को फेंका जा रहा है। हड्डियों को बटोर कर एकत्रित कर रखा जा रहा है। उन्हें समझाइश दी जाएगी, यदि आगे ऐसा किया जाता है तो वन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। अब मवेशियों को फेंकने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएंगी मैंने सभी वनरक्षक को जंगल में नजर रखने और जंगल के अंदर भ्रमण करने का कहा है।

मृत मवेशियों को फेंके जाने की कई शिकायतें

ग्रामीणों और पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि जंगल में लंबे समय से मृत मवेशियों को फेंके जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। इसके बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से सवाल खड़े हो रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि जंगल के भीतर वाहनों की आवाजाही और हड्डियों का संग्रह किया जा रहा है तो संबंधित लोगों को इसकी अनुमति किस स्तर से मिली है।

पूरे मामले की हो जांच

स्थानीय लोगों ने मांग की है कि वन विभाग पूरे मामले की जांच कर जंगल में मृत मवेशियों को फेंकने वालों, हड्डियों का संग्रह करने वालों और उन्हें परिवहन करने वाले वाहनों की जानकारी जुटाए। साथ ही जंगल में बाहरी वाहनों के प्रवेश की अनुमति और पूरे कथित कारोबार की जांच की जाए। लोगों ने हड्डियों से लदे वाहनों को आबादी वाले मुख्य मार्ग से दिन के समय निकालने पर भी रोक लगाने की मांग की है, ताकि दुर्गंध से आमजन को परेशानी न हो। अब देखना होगा कि शिकायतों के बाद वन विभाग इस मामले में क्या कार्रवाई करता है।

समीक्षा बैठक में दिए दिशा-निर्देश

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

जनपद शिक्षा केंद्र नरसिंहपुर के कार्यालय में उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत संकुल सह समन्वयकों की समीक्षा बैठक जिला परियोजना समन्वयक प्रदीप द्विवेदी के निर्देशन एवं विकासखंड स्रोत समन्वयक ओपी राय जिला सह समन्वयक साक्षरता अखलेश राजोरिया के मार्गदर्शन में बीएसी ब्रजेश नेमा, विनोद झारिया विकासखंड साक्षरता सह समन्वयक की उपस्थिति में आयोजित की गई।

बैठक में विकासखंड में साक्षरता अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना एवं विभिन्न गतिविधियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में बीएसी ब्रजेश नेमा द्वारा राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार विकासखंड में लंबित सर्वे कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण कराने पर विशेष जोर दिया गया। सर्वे की जानकारी ऑनलाइन दर्ज करने, कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं का 'अक्षर साथी' के रूप में पंजीयन कराने तथा प्रत्येक माह ऑनलाइन मॉनीटरिंग के लिए प्रस्तावित दौरा कार्यक्रम प्रस्तुत करने के संबंध में चर्चा की गई। साक्षरता सह समन्वयक विजय नामदेव द्वारा संकुल सह समन्वयकों एवं नोडल अधिकारियों को अक्षर साथियों से सतत संपर्क बनाए रखने तथा प्रत्येक ग्राम से साक्षर हुए व्यक्तियों को अभियान से जोड़ने के निर्देश दिए गए। अपूर्ण सर्वे वाले ग्रामों की जानकारी तथा सर्वे पूर्ण नहीं होने के कारणों को लिखित रूप में प्रस्तुत करने पर भी जोर दिया गया।

फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट्स की टीम ने की जांच, अंदरूनी हाथ होने की आशंका

हटवाड़ा में पुलिस चौकी से चंद कदमों की दूरी पर व्यापारी के घर से 15 लाख के जेवर पार

धार। दोपहर मेट्रो

शहर के व्यस्ततम हटवाड़ा क्षेत्र में एक कपड़ा शोरूम संचालक के घर से लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गए है। हैरानी की बात यह है कि जिस स्थान पर यह घटना हुई, वहां से पुलिस चौकी की दूरी महज कुछ ही मीटर है। पुलिस इसे चोरी के साथ-साथ किसी करीबी या परिचित की संलिप्तता के एंगल से भी जांच रही है।

हटवाड़ा स्थित कपड़ा शोरूम संचालक प्रशांत जायसवाल के घर की अलमारी से करीब 10.5 तोला वजनी सोने के जेवर कीमत 15 लाख से अधिक गायब हैं। न तो अलमारी में तोड़फोड़ की गई और न ही घटनास्थल के आसपास किसी के आने-जाने के सीसीटीवी फुटेज मिले हैं, जिससे मामला पुरा उलझ गया है। बताया जा रहा है कि जिस अलमारी से

आभूषण गायब हुए है उसमें और भी कीमती आभूषण रखे हुए थे, जिसे चोरी नही किया गया है, जिससे मामला और संदिग्ध हो गया है। सूचना मिलते ही सीएसपी शशांक सिंह गुर्जर और कोतवाली थाना प्रभारी ईश्वर सिंह चौहान ने मौके पर पहुंचकर मुआयना किया। फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट्स की टीम ने भी घटनास्थल से नमूने लिए हैं।

हटवाड़ा मेन चौराहे पर कपड़ा शोरूम संचालित करने वाले प्रशांत जायसवाल इसी इमारत की तीसरी मंजिल पर अपने परिवार के साथ निवास करते हैं। इमारत के नीचे शोरूम है और अन्य हिस्से किराए पर दिए गए हैं, जबकि दूसरी मंजिल पर किराएदार रहते हैं। सभी का आना-जाना एक ही रास्ते से होता है। दो दिन पूर्व जब परिजनों ने अलमारी खोलकर देखी, तो उसमें रखे सोने के आभूषणएक जोड़ी झुमकी, चेन, पेंडल 3 तोला, 25 सोने के मोतियों का मंगलसूत्र और एक अंगूठी गायब मिले। इनकी कुल अनुमानित कीमत 15 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है।

वारदात के बाद पुलिस के लिए सबसे बड़ा सवाल यह है कि बिना किसी तोड़फोड़ के और चाबी वहीं होने पर अलमारी से इतने कीमती जेवर किसने और कैसे गायब किए। चूंकि घर और आसपास के रास्तों पर सीसीटीवी सविंलांस है, लेकिन कोई संदेहास्पद फुटेज हाथ नहीं लगा है।

अंतिम संस्कार के लिए करना पड़ा 6 घंटे इंतजार

दमोह। दोपहर मेट्रो

जिले के जबेरा में एक बार फिर सिस्टम की नाकामी की एक तस्वीर सामने आई है। यहां पहले से ही एक सदस्य को खोने का दर्द झेल रहे परिवार को मजबूरी में 6 घंटे इंतजार करना पड़ा। दरअसल बारिश के कारण नाले के उफान पर होने के कारण परिजन अंतिम संस्कार के लिए शव नहीं ले जे पाए और जब 6 घंटे बाद नाले का पानी उतरा और बहाव कम हुआ तो शव श्मशान घाट तक ले जाया गया और अंतिम संस्कार हो पाया। सिंग्रामपुर के टगरा मोहल्ले में रहने वाली वर्षा चौधरी का निधन होने के अंतिम संस्कार के लिए 6 घंटे तक परिजनों को इंतजार करना पड़ा। परिजन कई घंटे तक शव को घर पर रखकर पानी का बहाव कम होने का इंतजार करते रहे। करीब 6 घंटे बाद जब पानी कुछ कम हुआ तो ग्रामीणों ने नाला पार किया और किसी तरह पार्थिव शरीर को मुक्तिधाम में ले जाकर अंतिम

संस्कार किया। स्थानीयों ने बताया कि यह सिर्फ एक परिवार की परेशानी नहीं है, पूरे मोहल्ले की परेशानी है। टगरा मोहल्ले के लोगों के लिए बारिश का मौसम हर साल यही डर लेकर आता है कि जरूरत पड़ने पर नाला पार कैसे करेंगे। खासकर अंतिम यात्रा के समय यह समस्या और ज्यादा पीड़ादायक हो जाती है। 25 जुलाई 2024 को इसी समस्या को लेकर खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने अगले ही दिन 26 जुलाई को मामले का संज्ञान लिया था। जनपद पंचायत और आरईएस की टीम मौके पर पहुंची, नाप-जोख हुई और फलको नाला पर स्लैब कल्वर्ट के लिए 40.61 लाख रुपए का प्राक्कलन तैयार किया गया। ग्रामीणों को लगा कि अब समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा। लेकिन दो साल गुजरने के बाद भी नाला जस का तस है। बारिश आई तो फिर रास्ता बंद और अंतिम यात्रा फिर पानी के भरोसे। आरईएस एसडीओ जबेरा शिवाजी के अनुसार, प्रारंभिक स्लैब कल्वर्ट की लागत 40.61 लाख रुपए थी। बाद में इसे पक्की सड़क के साथ बनाने की योजना से पूरी परियोजना की लागत एक करोड़ रुपए से अधिक हो गई। अब शासन स्तर से स्वीकृति का इंतजार है।

रतलाम छात्रावास के नाराज छात्रों का कलेक्टोरेट में धरना

रतलाम। दोपहर मेट्रो

कलेक्ट्रेट परिसर में बीते दिन छात्रावास के छात्रों ने छात्रावास में अव्यवस्थाओं का विरोध करते हुए कलेक्टोरेट में धरना दे दिया। ग्रामीणों, संत-महात्माओं, किसानों ने विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। पूरा दिन मौन विरोध, नारेबाजी और ज्ञापन सौंपने, आश्वासन के नाम रहा।

छात्रों ने छात्रावासों में अव्यवस्था को लेकर अपना रोष जताया, उन्हे समस्या के समाधान का आश्वासन देकर सरकारी वाहन में छात्रावास छुड़वाया। आदिवासी अंचल की बदहाली को लेकर ग्रामीण व किसानों ने कलेक्ट्रेट गेट पर मौन विरोध किया। आनंद कालोनी स्थित छात्रावास के कई छात्र को मूलभूत सुविधाओं के अभाव के चलते कलेक्टर से शिकायत करने पहुंच गए। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को छात्रों ने बताया कि 100 बच्चों के लिए 50 की ही व्यवस्था है। पलंग, वाशरूम की कमी है, गद्दे घर से लेकर आते हैं। छत से पानी टपकता है और पर्याप्त शिक्षक भी नहीं हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारी ने जांच का आश्वासन दिया। छात्रों को सरकारी वाहन से छात्रावास छुड़वाकर परेशानी भी अधिकारियों ने देखी। जिले के आम्बा, उमेदपुरा, गुडरखेड़ा, नान्दलेटा सहित आसपास के अनेक आदिवासी अंचल मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। ग्रामीणों ने गुरुवार दोपहर कलेक्टोरेट में ज्ञापन सौंपकर बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के तत्काल निराकरण की मांग की। उन्होंने खराब सडक़ों, जर्जर स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों पर डॉक्टर व सुविधाओं के अभाव पर भी चिंता जताई। कलेक्टर कार्यालय से जिन्हे आठ दिन में समस्या हल करने का आश्वासन मिला। इंटरनेशनल कबीर पंथ महासंघ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम ज्ञापन देकर तेलंगाना के मेडक जिला में संचालित बीफ कंपनी अल कबीर लिमिटेड से कबीर शब्द अविलंब हटाने की मांग की।

मेट्रो एंकर

प्रोजेक्ट की तैयारी पूरी - चीतों के लिए शुरुआत में ही मिलेगा 450 हेक्टेयर का मैदान

एनटीसीए का निरीक्षण तय करेगा अफ्रीकन चीता की शिफ्टिंग डेट

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में चीता प्रोजेक्ट की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है सॉफ्ट रिलीज बोमा समेत अन्य छोटी छोटी तैयारियां भी जमीनी और कागजी स्तर पर की जा रही है। अफ्रीकन चीतों के लिए शुरुआत में सॉफ्ट रिजीज बोमा के रुप में करीब 450 हेक्टेयर का छोटी घास का विशाल मैदान उपलब्ध कराया जाएगा मोहली रेंज को अफ्रीकन चीतों की बसाहट के लिए तैयार किया गया है और प्रबंधन तय गाइडलाइन के हिसाब से यहां पर संसाधन जुटा रहा है।

चीता प्रोजेक्ट को बीते साल एनटीसीए (राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण) के निरीक्षण के बाद ही हरी झंडी मिली थी और छोटी घास का बड़ा मैदान मिलने पर चीतों की बसाहट के लिए वीडीटीआर उपयुक्त माना गया था और फिर तैयारियां शुरू हुई थीं। अब

जब तैयारियां अंतिम चरण में हैं, तो एक बार फिर से एनटीसीए की टीम वीडीटीआर का दौरा करेगी और फिर अफ्रीकन चीतों की शिफ्टिंग की तारीख तय होगी। चीता प्रोजेक्ट पर कार्य करने के लिए वीडीटीआर के स्टाफ को शुरुआत प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। इसके साथ ही वीडीटीआर से लगे गांवों में भी प्रोजेक्ट को लेकर कई जागरूक अभियान चलाए गए हैं, ताकि लोग वन्यजीवों के बारे में ज्यादा से ज्यादा समझ सकें। मानसून सीजन होने के कारण टाइगर रिजर्व में सफारी बंद है। डेढ़ महीने बाद 1 अक्टूबर से दोबारा सफारी शुरू होगी टाइगर रिजर्व प्रबंधन को उम्मीद है कि इस डेढ़ महीने की समयावधि में टाइगर रिजर्व में चीता शिफ्टिंग का लगभग पूर्ण हो जाएगा।

क्यों खास है दुर्गावती टाइगर रिजर्व

वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, यह देश का ऐसा अनूठा टाइगर रिजर्व होगा जहां बाघ, तेंदुआ और चीता एक साथ सह-अस्तित्व में रहेंगे यहां के मुहली, सिंहपुर और झापन रेंज में 600 वर्ग किमी के खुले मैदान हैं, जहां चिंकारा, चीतल और सांभर की बहुतायत है विशेषज्ञों का मानना है कि तीनों शिकारी प्रजातियों के शिकार का तरीका अलग होने के कारण इनके बीच संघर्ष की स्थिति बहुत कम बनती है

तैयारी लगभग पूरी

टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ रजनीश कुमार सिंह ने कहा कि चीता प्रोजेक्ट पर हमारी तैयारी लगभग पूरी हो गई है। छुटपुट कार्य शेष हैं, जिनको भी पूरा कर रहे हैं। आगामी महीनों में अफ्रीकन चीतों की शिफ्टिंग की उम्मीद है

एक नजर में वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व

- नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य की स्थापना 1975 में हुई थी। तब इसका क्षेत्रफल 1197 वर्ग किमी था।
- 20 सितंबर 2023 को टाइगर रिजर्व का दर्जा मिला, इसका नाम वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व कर दिया गया।
- अब इसका क्षेत्रफल 2339 वर्ग किमी (एमपी का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व) है।
- इसमें 1414 वर्ग किमी कोर एरिया और 925.12 वर्ग किमी बफर एरिया शामिल है।

मुख्य रूप से दमोह सागर और नरसिंहपुर जिलों में फैला है।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना शाहजहाँनाबाद भोपाल

क्र./था.प्र./शाह.बाद/भो/डी/क्र.- 29 /26 दिनांक 17/08/26

जाहिर सूचना

सूचित किया जाता है की थाना शाहजहानाबाद भोपाल के मर्ग क्र 29/25 धारा 194 बी एन एस मृतक अज्ञात पुरुष उम्र करीब 45 वर्ष

निवासी अज्ञात के परिजनो की तलाश हैतु जाहिर सूचना की जाती है जिसका हुलिया चेहरा सांवला. कद 5 फिट 3 इंच बदन दुबला पतला पहनावा नीले रंग का लोवर भूरे रंग की चैक शर्ट पहने अन्य किसी प्रकार का कोई गुदना तिल नही है जिसका फोटो उपरोक्तानुसार है जरिये अज्ञात पुरुष के परिजनो के संबंध में कोई जानकारी हो तो थाना शाहजहानाबाद भोपाल में मोबाईल नंबर 9479990579, व जांच कर्ता अधिकारी उप. निरीक्षक सूरज अतुलकर मोबाईल नंबर 8982233559 पर संपर्क करें।

थाना प्रभारी
थाना शाहजहाँनाबाद भोपाल (म.प्र.)

जी-17383/26

दलीप ट्रॉफी में सितारों का संग्राम! छह जोन के बीच होगी प्रतिष्ठा की जंग

23 से शुरू होगा घरेलू क्रिकेट का मुकाबला एक्शन में दिखेंगे शमी-ईशान और गायकवाड़

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय घरेलू क्रिकेट का नया सत्र अब रोमांच के लिए तैयार है। प्रतिष्ठित दलीप ट्रॉफी 2026 का आगाज 23 अगस्त से होने जा रहा है। इस बार टूर्नामेंट में देश के छह जोन–नॉर्थ, ईस्ट, वेस्ट, साउथ, सेंट्रल और नॉर्थ ईस्ट–खिताब के लिए मैदान में उतरेंगे। प्रतियोगिता की शुरुआत ही दो हाई-प्रोफाइल क्वार्टर फाइनल मुकाबलों से होगी, जहां कई अनुभवी और युवा खिलाड़ी अपनी छाप छोड़ने के इरादे से उतरेंगे।

टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबले बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के दो मैदानों पर खेले जाएंगे। 23 से 26 अगस्त तक होने वाले क्वार्टर फाइनल में ईस्ट जोन का मुकाबला नॉर्थ ईस्ट जोन से होगा, जबकि दूसरे मैच में नॉर्थ जोन और वेस्ट जोन आमने-सामने होंगे। दोनों मुकाबले सुबह 9ः30 बजे शुरू होंगे।

चैंपियन और उपविजेता को सीधे सेमीफाइनल

दलीप ट्रॉफी के पिछले संस्करण में शानदार प्रदर्शन करने वाली सेंट्रल जोन और उपविजेता साउथ जोन को इस बार क्वार्टर फाइनल से छूट मिली है। दोनों टीमें सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। क्वार्टर फाइनल जीतने वाली दोनों टीमें सेमीफाइनल में सेंट्रल और साउथ जोन से भिड़ेंगी। सेमीफाइनल मुकाबले 30 अगस्त से 2 सितंबर तक बेंगलुरु में खेले जाएंगे। इस तरह टूर्नामेंट के शुरुआती दौर से ही खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर चयनकर्ताओं और क्रिकेट प्रशंसकों की नजर रहेगी।

युवा प्रतिभाओं के लिए बड़ा मंच

दलीप ट्रॉफी सिर्फ खिताब की लड़ाई नहीं है, बल्कि भारतीय क्रिकेट के अगले सितारों के लिए भी बड़ा मंच है। अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा क्रिकेटरों को खेलने का मौका मिलेगा। ऐसे में टूर्नामेंट के दौरान कई नए नाम राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान खींच सकते हैं। 23 अगस्त से शुरू होने वाली यह प्रतियोगिता घरेलू क्रिकेट के नए सत्र की दिशा तय करने के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट में वापसी और राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की दौड़ को भी दिलचस्प बनाएगी। छह जोन, बड़े खिलाड़ी और खिताब की प्रतिष्ठा–दलीप ट्रॉफी 2026 में रोमांच की पूरी गारंटी नजर आ रही है।

चेन्नई में होगा खिताबी मुकाबला

दलीप ट्रॉफी का सबसे बड़ा मुकाबला इस बार बेंगलुरु से बाहर खेला जाएगा। फाइनल 6 से 10 सितंबर तक चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में आयोजित होगा। खास बात यह है कि फाइनल को दर्शकों के लिए स्टेडियम में देखने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। बीसीसीआई ने फाइनल को चेन्नई ले जाने का फैसला इसलिए किया है, ताकि घरेलू क्रिकेट के इस प्रतिष्ठित मुकाबले को दर्शकों की मौजूदगी और बेहतर माहौल मिल सके। क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल चार दिवसीय होंगे, जबकि फाइनल पांच दिन तक चलेगा।

शमी से लेकर वैभव सूर्यवंशी तक, कई बड़े नाम

दलीप ट्रॉफी की सबसे बड़ी खासियत इस बार टीमों में मौजूद बड़े नाम हैं। ईस्ट जोन में मोहम्मद शमी, ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी आकर्षण का केंद्र होंगे। शमी के प्रदर्शन पर खास नजर रहेगी, जबकि युवा वैभव सूर्यवंशी घरेलू क्रिकेट में अपनी बल्लेबाजी का दम दिखाना चाहेंगे। वेस्ट जोन की टीम भी बेहद मजबूत नजर आ रही है। ऋतुराज गायकवाड़, पृथ्वी शॉ, सरफराज खान, मुशीर खान और शार्दुल ठाकुर जैसे खिलाड़ी इस टीम की ताकत हैं। साउथ जोन में तिलक वर्मा और करुण नायर प्रमुख चेहरे हैं। सेंट्रल जोन में कप्तान रजत पाटीदार के साथ रिंकू सिंह पर नजर होगी। नॉर्थ जोन में अर्शदीप सिंह और आयुष बदोनी अपनी क्षमता साबित करने उतरेंगे।

नीदरलैंड के गढ़ में भारत की अग्निपरीक्षा

पाकिस्तान को चटाई धूल, अब ओलंपिक चैम्पियन की बारी!

एम्सटेलवीन , एजेंसी

चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 5-3 से हराकर दूसरे दौर में पहुंची भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सामने अब असली परीक्षा है। नए प्रारूप के दूसरे चरण में 22 अगस्त को भारत का सामना पेरिस ओलंपिक चैम्पियन नीदरलैंड से होने की संभावना है। दुनिया की नंबर-2 टीम के खिलाफ उसके घरेलू मैदान पर होने वाला यह मुकाबला भारत के लिए ऐसा होगा, जहां छोटी सी चूक भी भारी पड़ सकती है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने शुरुआत में 3-0 और फिर 4-1 की बढ़त बनाकर दबदबा कायम किया, लेकिन इसके बाद खेल पर उसकी पकड़ ढीली पड़ गई और पाकिस्तान को वापसी का मौका मिला। यही कमजोरी नीदरलैंड जैसी टीम के खिलाफ खतरनाक साबित हो सकती है। भारत ने पूल डी में वेल्स को 3-1 और पाकिस्तान को 5-3 से हराया, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ उसे 2-4 से हार मिली। नए प्रारूप के तहत पूल डी की शीर्ष दो और पूल ए की शीर्ष दो टीमें मिलकर पूल ई बनाएंगी। इस पूल की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। इसी तरह पूल बी और सी की शीर्ष दो-दो टीमें पूल एफ में खेलेंगी और वहां से भी दो टीमें अंतिम चार में जाएंगी।

घर में नीदरलैंड को हराना बड़ी चुनौती

तीन ओलंपिक और तीन विश्व कप खिताब जीत चुकी नीदरलैंड को उसके गढ़ में हराना भारत के लिए आसान नहीं होगा। इसी मैदान पर 1973 में नीदरलैंड ने पहली बार विश्व कप जीता था। इसके बाद 1990 और 1998 में भी उसने विश्व खिताब अपने नाम किया। पिछले चार विश्व कप में भी डच टीम दो रजत और दो कांस्य पदक जीत चुकी है। नीदरलैंड सिर्फ एक मजबूत टीम नहीं, बल्कि हॉकी की गहरी संस्कृति वाला देश है। हर मुकाबले में 10 हजार दर्शकों की क्षमता वाला स्टेडियम लगभग पूरी तरह भरा रहता है और चारों ओर नारंगी रंग नजर आता है। इस बार उस नारंगी सैलाब के बीच भारतीय टीम को अपने खेल की असली परीक्षा देनी होगी।

क्रिकेट में ऐसा पहली बार: 5-5 विकेट लेकर आधी-आधी काट ली मैच की गेंद

रॉबिन्सन और टंग ने लीड्स टेस्ट को ऐसे बनाया यादगार

नई दिल्ली, एजेंसी

लीड्स टेस्ट के पहले दिन पाकिस्तान की पारी महज 171 रनों पर सिमट गई। इंग्लैंड के लिए इस तबाही के सबसे बड़े नायक रहे ओली रॉबिन्सन और जोश टंग। दोनों तेज गेंदबाजों ने 5-5 विकेट लेकर पाकिस्तान की बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया। लेकिन दिन के खेल के बाद जो हुआ, वह इस शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन से भी ज्यादा दिलचस्प था। दोनों गेंदबाजों ने मैच की यादगार गेंद को अपने पास रखने का एक अनोखा तरीका निकाला। रॉबिन्सन और टंग ने तय किया कि गेंद को दो हिस्सों में काटकर दोनों आधा-आधा अपने पास रखेंगे। हेडिंग्ले के ग्राउंड स्टाफ ने भी उनकी इच्छा पूरी कर दी और गेंद को बीच से काट दिया गया।

दिन का खेल खत्म होने के बाद दोनों गेंदबाज मैच की गेंद हाथ में लेकर मैदान से बाहर निकल रहे थे। तभी रॉबिन्सन ने टंग से कहा कि क्यों न गेंद को आधा-आधा बांट लिया जाए। रॉबिन्सन ने बताया, %हम मैदान से बाहर जा रहे थे और मैंने टंगी से कहा कि मुझे लगता है हमें इसे बांट लेना चाहिए। उसने भी यही बात कही। हमने

सोचा कि यह काफी शानदार होगा।

उन्होंने आगे कहा कि क्रिकेट की आधी गेंद अपने पास रखना अपने आप में बेहद अनोखी याद होगी। उन्होंने कहा कि दो गेंदबाजों का एक ही पारी में पांच-पांच विकेट लेना भी रोज-रोज नहीं होता, इसलिए यह इस खास दिन की याद हमेशा ताजा रखेगा। टंग ने भी बीबीसी टेस्ट मैच स्पेशल से बातचीत में अपने साथी गेंदबाज को इसका श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि रॉबिन्सन ने गेंद को आधा काटने का सुझाव दिया था और हेडिंग्ले के ग्राउंड स्टाफ ने उसे काटकर दोनों को दे दिया।

एबी डिविलियर्स ने खोला बड़ा राज

सचिन ने सिखाया विदेशी पिचों पर जीतना, विराट ने बढ़ाया रुतबा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली का नाम सिर्फ रनों और रिकॉर्ड्स तक सीमित नहीं है। दोनों ने विदेशी परिस्थितियों में भारतीय बल्लेबाजी को नई पहचान देने में अहम भूमिका निभाई। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स का मानना है कि सचिन ने जिस चुनौतीपूर्ण सफर की शुरुआत की थी, विराट कोहली ने उसे एक अलग स्तर तक पहुंचाया। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर भारतीय बल्लेबाजों के विदेशी प्रदर्शन पर चर्चा करते हुए कहा कि सचिन उन शुरुआती भारतीय बल्लेबाजों में थे, जिन्होंने यह विश्वास पैदा किया कि उपमहाद्वीप से आने वाला खिलाड़ी तेज, उछाल और सीम वाली परिस्थितियों में भी शानदार बल्लेबाजी कर सकता है। उनके मुताबिक, विराट ने इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए विदेशी मैदानों पर भारतीय बल्लेबाजी का स्तर और ऊंचा किया।

सचिन ने बनाया रास्ता, विराट ने बढ़ाया भरोसा

डिविलियर्स ने कहा कि सचिन तेंदुलकर ने विदेशी परिस्थितियों में सफलता का रास्ता दिखाया और विराट कोहली ने उस विरासत को आगे बढ़ाया। उनके अनुसार, कोहली की सफलता का असर सिर्फ उनके व्यक्तिगत रिकॉर्ड तक नहीं रहा, बल्कि इससे भारतीय टीम की विदेशों में प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता और मानसिकता भी मजबूत हुई। डिविलियर्स का मानना है कि केएल राहुल और देवदत्त पडिक्कल जैसे बल्लेबाज भी इसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। विदेशी पिचों पर बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश में उन्हें सचिन और विराट से प्रेरणा मिली है।

कलाई की चोट के बाद 4 महीने बाद कोर्ट पर लौटेंगे अल्काराज

नई दिल्ली, एजेंसी

स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज चार महीने बाद कोर्ट पर लौटेंगे। दाहिनी कलाई की चोट के कारण अप्रैल से कोर्ट से बाहर चल रहे अल्काराज ने 30 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होने वाले यूएस ओपन में खेलने की पुष्टि की है। वह डिफेंडिंग चैंपियन हैं।

अल्काराज ने चोट के कारण फ्रेंच ओपन, विंबलडन और हार्ड-कोर्ट के टूर्नामेंट टोरंटो और सिनसिनाटी में हिस्सा नहीं लिया था। वह यूएस ओपन से पहले कोई वार्म-अप टूर्नामेंट भी नहीं खेलेंगे। अल्काराज ने अपनी वापसी की घोषणा फुटबॉल ट्रांसफर न्यूज के लिए मशहूर पत्रकार फैब्रिजियो रोमानो के साथ सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए की। अल्काराज ने भी ङ्क पर अमेरिकी झंडे और प्लेन की इमोजी के साथ पोस्ट किया।

अप्रैल में बार्सिलोना ओपन के दौरान लगी थी चोट

अल्काराज ने अप्रैल में बार्सिलोना ओपन से हटने के बाद कोई मैच नहीं खेला। दाहिनी कलाई की चोट के कारण उन्हें करीब चार महीने कोर्ट से दूर रहना पड़ा। इस दौरान उन्होंने फ्रेंच ओपन और विंबलडन जैसे दोनों बड़े ग्रैंड स्लैम मिस किए। वापसी से पहले उन्होंने स्पेन के मर्सिया में अभ्यास शुरू किया और हाल में डेनमार्क के होल्गर रूने के साथ भी ट्रेनिंग की। इसके बाद उन्होंने US ओपन में खेलने का फैसला किया।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन ने सुनाई दर्दभरी कहानी

प्यार के रिश्ते में ऐसा टूटा भरोसा कि शादी और बच्चों से भी हुआ मोहभंग!

नई दिल्ली। दक्षिण भारतीय सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन ने अपनी निजी जिंदगी के एक बेहद मुश्किल दौर को लेकर चौंकाने वाले अनुभव साझा किए हैं। एक पॉडकास्ट बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने बिना किसी का नाम लिए अपने पूर्व प्रेमी के साथ रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने दावा किया कि इस रिश्ते में उन्हें लगातार नियंत्रित किया गया और धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास भी प्रभावित होने लगा।

अनुपमा के मुताबिक, वह करीब दो साल तक ऐसे रिश्ते में रहीं, जिसने उनकी मानसिक स्थिति पर गहरा असर डाला। उन्होंने बताया कि उन्हें इस हद तक दबाव महसूस कराया गया कि एक अभिनेत्री होना, आत्मविश्वासी होना और यहां तक कि महिला होना भी उन्हें गलत लगने लगा था। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि रिश्ते के दौरान जब भी वह अपने साथी की किसी बात या व्यवहार पर सवाल उठाती थीं, तो उनकी बात को गंभीरता से लेने के बजाय उसे उनके पीरियड्स या पीएमएस से जोड़ दिया जाता था। उनका कहना है कि इससे उन्हें बेहद अपमानित और छोटा महसूस होता था। अनुपमा ने कहा कि किसी महिला की भावनाओं या आपत्तियों को सिर्फ इसलिए खारिज नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि वह अपने मासिक धर्म के दौर से गुजर रही है। उनके अनुसार, ऐसी बातें लगातार सुनने के बाद उनके भीतर अपने ही अस्तित्व और उपलब्धियों को लेकर नकारात्मक भावनाएं पैदा होने लगी थीं।

कभी 11 बच्चों का सपना था, अब बदल गई सोच

अनुपमा ने अपने बदल चुके नजरिए का जिक्र करते हुए कहा कि एक समय वह 11 बच्चे करने तक का सपना देखती थीं। लेकिन रिश्ते में मिले अनुभवों ने उनकी सोच को काफी बदल दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि अब जिंदगी के इस पड़ाव पर वह बच्चे नहीं चाहतीं। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि उस रिश्ते ने उन्हें अपनी उपलब्धियों और महिला होने तक को लेकर असहज महसूस कराया। हालांकि उन्होंने अपने पूर्व प्रेमी की पहचान सार्वजनिक नहीं की है। सोशल मीडिया पर कुछ प्रशंसक उनके पुराने कथित रिश्ते से जुड़े एक अभिनेता का नाम लेकर अटकलें लगा रहे हैं, लेकिन अनुपमा ने खुद किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया है। इसलिए इन अटकलों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अनुपमा की यह आपबीती ऐसे रिश्तों पर भी सवाल खड़े करती है, जहां प्यार के नाम पर साथी की पसंद, करियर और निजी फैसलों पर नियंत्रण कायम करने की कोशिश की जाती है।

बोलीं- कावेरी मेरे दिल के बेहद करीब

'इरुमुड़ी' में मां-पत्नी के किरदार से दिल जीतेंगी प्रिया भवानी शंकर

मुंबई। दक्षिण भारतीय सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री प्रिया भवानी शंकर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'इरुमुड़ी' को लेकर सुर्खियों में हैं। शिव निर्वाण के निर्देशन में तैयार इस फिल्म में वह अभिनेता रवि तेजा के साथ मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। फिल्म में प्रिया ने कावेरी नाम की महिला का किरदार निभाया है, जो एक समर्पित पत्नी और मां है। अभिनेत्री का कहना है कि इस किरदार ने उन्हें भावनात्मक स्तर पर काफी प्रभावित किया है।

प्रिया भवानी शंकर के मुताबिक, कावेरी का किरदार उनके लिए महज फिल्मी भूमिका नहीं रहा। कहानी सुनने के बाद उन्हें किरदार की भावनात्मक गहराई और निर्देशक की सोच ने काफी प्रभावित किया। उन्होंने बताया कि फिल्म में रिश्तों की गर्माहट, परिवार के बीच की भावनाएं और आपसी जुड़ाव कहानी को खास बनाते हैं। अभिनेत्री ने कहा कि कावेरी को समझने और पर्दे पर उतारने का अनुभव उनके लिए बेहद खूबसूरत रहा। किरदार की भावनाओं को सही तरीके से दर्शाना उनके लिए चुनौतीपूर्ण भी था और सीखने वाला अनुभव भी।फिल्म में रवि तेजा के साथ काम करने को लेकर भी प्रिया उत्साहित हैं। उन्होंने अभिनेता की कार्यशैली की तारीफ करते हुए कहा कि उनके साथ काम करने का माहौल बेहद सहज रहा। यही वजह रही कि दोनों के बीच फिल्माए गए दृश्यों को करना उनके लिए आरामदायक और मजेदार अनुभव बना। प्रिया ने निर्देशक शिव निर्वाण की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि निर्देशक को फिल्म के प्रत्येक किरदार की भावनाओं और उनके सफर को लेकर स्पष्ट दृष्टि थी। इसी सोच के साथ काम करने से पूरी टीम के लिए शूटिंग का अनुभव यादगार बन गया।

मेट्रो बाजार

भारतीय कॉलेज छात्रों के लिए गूगल का बड़ा तोहफा, एक साल तक मुफ्त मिलेगा एआई प्लस

नई दिल्ली। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने भारत के कॉलेज विद्यार्थियों के लिए एक बड़ा ऐलान किया है। कंपनी ने पात्र कॉलेज छात्रों को एक वर्ष के लिए मुफ्त एआई प्लस सब्सक्रिप्शन देने की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को पढ़ाई, शोध और कौशल विकास के लिए उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उपकरणों तक आसान पहुंच उपलब्ध कराना है।

गूगल ने अपने आधिकारिक ब्लॉग में बताया कि इस विशेष ऑफर के तहत पात्र विद्यार्थियों को जेमिनी ओमनी का उपयोग करने की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही सामान्य उपयोगकर्ताओं की तुलना में दोगुनी उपयोग सीमा, 400 जीबी क्लाउड स्टोरेज क्षमता और कई अतिरिक्त एआई सुविधाएं बिना किसी शुल्क के एक वर्ष तक उपलब्ध कराई जाएंगी।

कंपनी ने छात्रों के लिए गूगल एआई प्रो और यूट्यूब प्रीमियम का एक विशेष रियायती पैकेज भी पेश किया है, जिसके तहत विद्यार्थी विज्ञापन-मुक्त संगीत और वीडियो स्ट्रीमिंग सेवाओं का लाभ उठाते हुए लगभग 70 प्रतिशत तक की बचत कर सकेंगे। गूगल ने एआई सदस्यता के साथ-साथ अपने जेमिनी और गूगल सर्च प्लेटफॉर्म पर कई नए शिक्षण उपकरण भी पेश किए हैं। विद्यार्थियों को एक विशेष स्टूडेंट हब उपलब्ध कराया जाएगा, जहां वे अपनी पढ़ाई को व्यवस्थित कर सकेंगे और जेमिनी की शैक्षणिक सुविधाओं का उपयोग कर पाएंगे।

आधार ऐप ने डिजिटल सेवाओं को बनाया आसान, डाउनलोड की संख्या 5 करोड़ के पार

नई दिल्ली। आधार ऐप के डाउनलोड की संख्या 5 करोड़ के महत्वपूर्ण आंकड़े को पार कर गई है। यह लोगों के बीच सुविधाजनक और डिजिटल माध्यम से आधार सेवाओं को अपनाने के बढ़ते ट्रेंड को दर्शाता है। यह जानकारी आईटी मंत्रालय की ओर से गुरुवार को दी गई।

मंत्रालय ने आधिकारिक बयान में कहा कि यह उपलब्धि आधार ऐप की भूमिका में महत्वपूर्ण विस्तार को दर्शाती है। ऐप नागरिकों और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के बीच एक डिजिटल माध्यम के रूप में काम करता है। इसके जरिए आधार नंबर धारक अपने स्मार्टफोन से कई सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। इनमें मोबाइल नंबर अपडेट, पता अपडेट, ईमेल अपडेट, बायोमेट्रिक लॉक/अनलॉक और ई-आधार डाउनलोड जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

लॉन्च के बाद से आधार ऐप का लगातार बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हुआ है। 60 लाख से अधिक लोगों ने आधार ऐप के जरिए अपना मोबाइल नंबर अपडेट किया, जबकि 15 लाख से अधिक पता अपडेट और 23 लाख से अधिक ईमेल अपडेट ऐप के माध्यम से किए गए हैं। बयान में कहा गया कि इन सेवाओं को बढ़ता अपनाया जाना दर्शाता है कि लोग आधार केंद्र पर जाने के बजाय डिजिटल माध्यम से आधार से जुड़ी सेवाओं का लाभ उठाना अधिक पसंद कर रहे हैं। आधार ऐप को ÷शो, शेयर और वेरिफाई÷ के सिद्धांत पर तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य आधार नंबर धारकों को अपनी आधार जानकारी के इस्तेमाल पर अधिक नियंत्रण देना और सुविधाजनक पहचान सत्यापन की सुविधा उपलब्ध कराना है।

इगुआजू : 80 मीटर की गर्जना और जंगलों में जिंदगी का अनोखा संसार

अर्जेंटीना और ब्राजील की सीमा पर स्थित इगुआजू राष्ट्रीय उद्यान और रिजर्व दुनिया के सात प्राकृतिक आश्चर्यों में शामिल है। वर्ष 2011 में इगुआजू जलप्रपात को यह गौरव मिला। इगुआजू नदी पर बने इस विशाल जलप्रपात की ऊंचाई 80 मीटर तक पहुंचती है। इसका सबसे प्रसिद्ध हिस्सा 'डेविल्स थ्रोट' यानी 'शैतान का गला' कहलाता है। इगुआजू का पानी न केवल पर्यटकों को आकर्षित करता है, बल्कि आसपास के विशाल प्राकृतिक क्षेत्र को भी जीवन देता है। यह क्षेत्र जगुआर, टैपिर, ओसेलॉट, जगुआरुंडी, विशाल चींटीखोर, टैमांडुआ और ब्रॉड-स्नाउटेड कैमन जैसी दुर्लभ और संकटग्रस्त प्रजातियों का घर है। पर्यटन दोनों देशों के लिए आर्थिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। हालांकि, जंगलों की कटाई इस प्राकृतिक विरासत के लिए गंभीर खतरा बन रही है। ग्रीनपीस के अनुसार, वनों की कटाई के कारण इगुआजू और पराना नदियों में बाढ़ का खतरा बढ़ा है। परानेंस और मिशोनेस जंगलों का करीब 93 प्रतिशत क्षेत्र पहले ही नष्ट हो चुका है। अर्जेंटीना का पार्क 676.2 और ब्राजील का हिस्सा 1,700 वर्ग किमी में फैला है।

न्यूज विंडो

एस्टन मार्टिन कार की टक्कर से महिला की मौत, सांसद के बेटे पर केस दर्ज

हैदराबाद। हैदराबाद में एक तेज रफ्तार एस्टन मार्टिन कार की टक्कर से एक 26 वर्षीय महिला की मौत हो गई। आरोप है कि कार राज्यसभा सांसद लिंगामनेनी रमेश के बेटे लिंगामनेनी संजुश (21) चला रहे थे। पुलिस ने उन पर लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज कर लिया है। घटना 16 अगस्त को माधापुर इलाके में इनऑर्बिट मॉल के पास हुई। पीड़िता भारती मुखी लाइफस्टाइल स्टोर में सेल्सवुमन के रूप में काम करती थीं। दोपहर करीब 3 बजे वह और उनकी सहकर्मी पूजा अशोक अलोने लंच के लिए आईटीसी कोहेनुर इलाके गई थीं। वापस लौटते समय जब भारती सड़क पार कर रही थीं, तब एस्टन मार्टिन कार ने उन्हें टक्कर मार दी।

दिल्ली से दबोचा गया सिलीगुड़ी का संदिग्ध पाकिस्तानी जासूस

सिलीगुड़ी। बंगाल पुलिस की एसटीएफ ने पाकिस्तानी जासूस होने के संदेह में सिलीगुड़ी के एक युवक को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपित युवक का नाम प्रदीप्त बोस है। उसे दिल्ली के बंगाली पट्टी इलाके से गिरफ्तार किया गया है। उसे गुरुवार को दिल्ली से कूचबिहार जिले के दिनहाटा लाया गया। इससे पहले एसटीएफ ने आइएसआइ एजेंट होने के संदेह में चार लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें से तीन को दिनहाटा से पकड़ा गया था। इन्हीं से पूछताछ के बाद प्रदीप्त का नाम सामने आया। एसटीएफ की टीम उसको पकड़ने के लिए दिल्ली रवाना हो गई थी। मालूम हो कि एक सप्ताह के अंदर आईएसआई एजेंट में संदेह में पांच लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। यह गिरफ्तारी सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील मानी जा रही है, क्योंकि सिलीगुड़ी कॉरिडोर जिसे 'चिकन नेक' भी कहा जाता है, सामरिक दृष्टिकोण से भारत का सबसे संवेदनशील हिस्सा है।

पूर्व सेना प्रमुख नरवणे बोले–पाक तात्कालिक चुनौती, लेकिन चीन से मुकाबला अहम

'पाक नहीं, चीन हमारी सबसे बड़ी चुनौती सेना को हर वक्त तैयार ही रहना होगा'

मुंबई, एजेंसी

पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर कहा कि पाकिस्तान से आतंकवाद की चुनौती के कारण फिलहाल भारत का ध्यान पश्चिमी सीमा पर अधिक है, लेकिन लंबी अवधि में चीन देश का प्रमुख प्रतिद्वंद्वी बनकर उभर सकता है। अपनी नई पुस्तक के विमोचन के दौरान उन्होंने चीन के लिए 'दुश्मन' शब्द इस्तेमाल करने से बचते हुए कहा कि भारत को बातचीत और कूटनीति का रास्ता खुला रखना चाहिए, साथ ही अपनी सैन्य प्रतिरोध क्षमता भी मजबूत करनी होगी। नरवणे के मुताबिक पाकिस्तान और चीन के साथ सीमा विवाद और युद्ध का इतिहास रहा है, लेकिन दोनों की चुनौतियां अलग हैं। पाकिस्तान की ओर से आतंकवाद का समर्थन तत्काल चिंता है, जबकि चीन राजनीति, अर्थव्यवस्था, व्यापार और सैन्य क्षेत्र में व्यापक प्रतिस्पर्धा पेश करता है। उन्होंने कहा कि शक्ति का इस्तेमाल अंतिम विकल्प होना चाहिए, लेकिन संभावित दुस्साहस को रोकने के लिए सेना को हमेशा तैयार रहना जरूरी है। उन्होंने नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और म्यांमार में स्थिरता को भी भारत की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया।

पाकिस्तान और चीन की चुनौती अलग

नरवणे के अनुसार पाकिस्तान और चीन दोनों के साथ भारत के सीमा विवाद हैं, लेकिन उनकी चुनौतियों की प्रकृति अलग है। पाकिस्तान से आतंकवाद का खतरा भारत के लिए तत्काल सुरक्षा चिंता बना हुआ है। इसके चलते पश्चिमी सीमा पर लगातार सतर्कता जरूरी है। दूसरी ओर चीन का प्रभाव सैन्य क्षेत्र के साथ-साथ राजनीति, अर्थव्यवस्था और व्यापार तक फैला है। इसलिए दीर्घकाल में चीन के साथ प्रतिस्पर्धा भारत के लिए अधिक व्यापक चुनौती होगी।

पड़ोस में शांति भारत के हित में

पूर्व सेना प्रमुख ने कहा कि भारत अपने पड़ोसी देश नहीं चुन सकता, इसलिए उसके सामने उपलब्ध परिस्थितियों में स्थिरता कायम रखने का प्रयास ही बेहतर विकल्प है। नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और म्यांमार में अस्थिरता का असर सीधे भारत पर पड़ सकता है। हिंसा, शरणार्थी संकट, तस्करी और अवैध हथियारों की आवाजाही जैसी समस्याएं भारत की आंतरिक सुरक्षा को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए शांत और स्थिर पड़ोस भारत के विकास और सुरक्षा, दोनों के लिए जरूरी है।

बातचीत जरूरी है, लेकिन हमारी सैन्य तैयारी भी...

भारत को किसी भी विवाद का समाधान बल प्रयोग के बजाय कूटनीतिक माध्यम और बातचीत से करने का प्रयास करना चाहिए। नरवणे ने कहा कि मजबूत सैन्य क्षमता का उद्देश्य युद्ध करना नहीं, बल्कि संभावित संघर्ष को रोकना होना चाहिए। उनका मानना है कि यदि देश शांति चाहता है तो उसे अपनी रक्षा क्षमता इतनी मजबूत रखनी होगी कि कोई दूसरा देश सैन्य दुस्साहस करने से पहले कई बार सोचे। इसी कारण भारतीय सशस्त्र बलों की तैयारियों को लगातार मजबूत करना जरूरी है।

गंगा कौर बोलीं-

सज्जन को फांसी होती तो ज्यादा शांति मिलती

नई दिल्ली. एजेंसी। पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार का 80 वर्ष की आयु में तिहाड़ जेल में निधन हो गया। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें सफदरजंग अस्पताल में लाया गया था, जहां डॉक्टरों उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, सज्जन कुमार की नैचुरली मौत पर दंगा प्रभावित परिवार के लोगों का दर्द सामने आया है। 1984 के दंगों से प्रभावित परिवार की सदस्य गंगा कौर कहती हैं कि हमारे परिवार के सदस्यों को हमारे सामने जिंदा जला दिया गया। सज्जन कुमार की मौत नैचुरली हुई, लेकिन अगर फांसी दे दी जाती तो हमें ज्यादा शांति मिलती।

मीडिया से बात करते हुए गंगा कौर कैमरे पर भावुक हो गईं। गंगा कौर बताती हैं कि उस समय मैं 8-9 साल की थी। मैंने अपनी आंखों से सब देखा था, हमारे सामने ही परिवार के 11 सदस्यों को जिंदा जला दिया था। लेकिन किसी ने भी हमारी मदद नहीं की। उन्होंने कहा, एक इंसान को जिंदा जलाया गया और एक इंसान नैचुरली डेथ से जा रहा है, दोनों में बहुत फर्क है।

सिख विरोधी दंगों से जुड़ा है मामला

साल 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक अहम मामले में उम्रकैद की सजा पाए सज्जन कुमार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दायर अपील फिलहाल लंबित है। यह मामला दिल्ली कैंट इलाके में हुई हत्या और आगजनी की खौफनाक घटनाओं से जुड़ा है। यह मामला 1 और 2 नवंबर 1984 को दिल्ली कैंट के राजनगर पार्ट-1 में पांच सिखों की निर्मम हत्या और राजनगर पार्ट-2 में एक गुरुद्वारे को आग के हवाले करने से संबंधित है।

मुंबई: नजर उतारने के बहाने ट्रांसजेंडर बनकर फ्लैट में घुसा बदमाश, एयर होस्टेस का यौन उत्पीड़न

मुंबई. एजेंसी। मुंबई के पवई इलाके में एक एयर होस्टेस के साथ यौन उत्पीड़न की घटना सामने आई है। आरोपी अनिल शिंदे ने ट्रांसजेंडर का भेष धरकर नजर उतारने के बहाने पीड़िता के फ्लैट में प्रवेश किया और उसके साथ जबरन अश्लील हरकतें कीं। हालांकि महिला के चिल्लाने पर वह डरकर भाग गया।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, घटना मंगलवार दोपहर 12:20 से 12:50 के बीच हुई। शिंदे ट्रांसजेंडर का रूप धारण कर बिल्डिंग में घुसा और सिक्योरिटी गार्ड का विश्वास हासिल कर तीसरी मंजिल पर पहुंच गया। उसने कई फ्लैटों पर दस्तक दी। पीड़िता का पति अस्पताल में भर्ती था। आरोपी ने परिवार पर पड़ी नजर उतारने का दावा कर फ्लैट में प्रवेश पा लिया। पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने उस पर पानी छिड़का, सिर पर हाथ रखा और बेडरूम में ले जाकर आंखें बंद करने और बिस्तर पर लेटने को कहा। इसके बाद उसने यौन उत्पीड़न किया। पीड़िता के चीखने पर आरोपी 200 रुपये लेकर भाग गया। रात करीब 11 बजे पीड़िता सदमे की हालत में पुलिस स्टेशन पहुंची। महिला पुलिस अधिकारी ने उससे बातचीत कर पूरी घटना का पता लगाया। पवई पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी का पता लगाया। चार घंटे के अंदर कलवा की झुग्गी बस्ती से शिंदे को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने दुष्कर्म, आपराधिक धमकी और काला जादू संबंधी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

रिटायर्ड जजों की सुविधाओं को लेकर एक हफ्ते के भीतर समिति गठित करे केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीशों के लिए ड्राइवरों, सुरक्षा सेवाओं और यात्रा के दौरान सरकारी आवास में ठहरने जैसे सेवानिवृत्ति लाभों के लिए एक समान राष्ट्रीय नीति के संबंध में एक सप्ताह के भीतर समिति गठित करे।

साथ ही न्यायालय ने कहा कि यदि केंद्र समिति नहीं बनाता है तो न्यायालय खुद समिति गठित करेगा। 10 दिन बाद मामले पर फिर सुनवाई होगी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची तथा वी मोहन की पीठ ने अतिरिक्त सालिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी की उस याचिका पर गौर किया जिसमें उन्होंने पैनल स्थापित करने के लिए और समय मांगा। इससे पहले 20 जुलाई को पीठ ने केंद्र सरकार को दो सप्ताह के भीतर पैनल गठित करने का निर्देश दिया था और तीन महीने में रिपोर्ट देने का आदेश दिया था। 20 जुलाई को, पीठ ने केंद्र से कहा था कि वह पूर्व उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के लिए सेवानिवृत्ति के लाभों जैसे ड्राइवरों की सेवाएं, सुरक्षा और यात्रा के दौरान सरकारी आवास में ठहरने के लिए दो सप्ताह के भीतर पैनल स्थापित करे। इसने यह भी निर्देश दिया था कि पैनल को इस मुद्दे पर तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट देनी होगी। पीठ जस्टिस वीएस दवे द्वारा दायर एक अवमानना याचिका की सुनवाई कर रही थी जोकि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के संघ के अध्यक्ष हैं। उन्होंने सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के लिए सुरक्षा और अन्य सुविधाओं के मुद्दे को उठाया था।

न्यायाधीश ने उठाए सवाल

सुनवाई के दौरान, मुख्य न्यायाधीश ने कुछ राज्यों द्वारा सुरक्षा कर्मियों और ड्राइवरों को प्रदान की जा रही वित्तीय सहायता की पर्याप्तता पर सवाल उठाया। मुख्य न्यायाधीश ने पूछा- '45,000-50,000 रुपये में क्या एक ड्राइवर और एक सुरक्षा अधिकारी मिल सकता है?' मुख्य न्यायाधीश ने अतिरिक्त सालिसिटर जनरल से कहा- 'राज्यों के बीच सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को दी जाने वाली सुविधाओं में एकरूपता की कमी है। एक तरीका यह है कि भारत सरकार एक समिति का गठन करे और मानदंड निर्धारित करे। केंद्रीय सरकार भी अनुदान में हिस्सेदारी कर सकती है। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं तो हमें एक समिति गठित करनी पड़ेगी।'

मेट्रो एंकर

जम्मू से उधमपुर, कटड़ा होते हुए श्रीनगर पहुंचेगी, नवरात्र से शुरू होने की उम्मीद

श्रीनगर का सफर होगा आसान, जम्मू-कश्मीर को मिलेगी तीसरी वंदे भारत

जम्मू, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए रेलवे बड़ी सौगात देने जा रहा है। जम्मू और श्रीनगर के बीच जल्द ही तीसरी वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू होने की संभावना है। ट्रेन संख्या 26407/26408 के रूप में प्रस्तावित यह सेवा मौजूदा दो वंदे भारत ट्रेनों के अलावा होगी। लंबे समय से इसकी मांग की जा रही थी। नई ट्रेन शुरू होने से यात्रियों को अतिरिक्त विकल्प मिलेगा और जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों का दबाव भी कम हो सकता है। पर्यटन को भी इसका फायदा मिलने की उम्मीद है।

नई वंदे भारत के नवरात्र के आसपास शुरू होने की संभावना है। जम्मू से रवाना होकर ट्रेन उधमपुर, वैष्णो देवी कटड़ा होते हुए

श्रीनगर पहुंचेगी। जम्मू तवी से सुबह 10:30 बजे चलकर यह उधमपुर 11:30 बजे, कटड़ा 12:10 बजे और श्रीनगर दोपहर 3:10 बजे पहुंचेगी। वापसी में श्रीनगर से शाम 4 बजे रवाना होकर ट्रेन 6:55 बजे कटड़ा, 7:30 बजे उधमपुर और रात 8:40 बजे जम्मू पहुंचेगी। तीसरी ट्रेन का किराया अभी तय नहीं बताया गया है। मौजूदा ट्रेनों में एसी चेयर कार का किराया 855 से 1,020 रुपये और एग्जीक्यूटिव क्लास का 1,585 से 1,780 रुपये है।

ऐसा रहेगा पूरा रूट, टाइमिंग

नई वंदे भारत एक्सप्रेस जम्मू तवी से सुबह 10:30 बजे अपनी यात्रा शुरू करेगी। इसके बाद ट्रेन 11:30 बजे शहीद कैप्टन तुषार महाजन उधमपुर स्टेशन पहुंचेगी। यहां से 12:10 बजे वैष्णो देवी कटड़ा पहुंचेगी और फिर कश्मीर की ओर रवाना होगी। ट्रेन दोपहर 3:10 बजे श्रीनगर पहुंचेगी। वापसी यात्रा में श्रीनगर से शाम 4 बजे ट्रेन चलेगी। यह शाम 6:55 बजे कटड़ा, 7:30 बजे उधमपुर और रात 8:40 बजे जम्मू तवी पहुंचेगी। इस समय-सारिणी से यात्रियों को एक ही दिन में जम्मू से श्रीनगर और वापस आने के लिए भी बेहतर विकल्प मिल सकता है। नवरात्र के दौरान वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी यह सेवा काफी उपयोगी साबित हो सकती है।

इतना हो सकता है किराया

तीसरी वंदे भारत का आधिकारिक किराया अभी सामने नहीं आया है, लेकिन जम्मू-श्रीनगर के बीच वर्तमान में संचालित वंदे भारत ट्रेनों के किराये को देखते हुए नई सेवा के किराये का अनुमान लगाया जा सकता है। ट्रेन संख्या 26401 में एसी चेयर कार का किराया 855 रुपये और एग्जीक्यूटिव क्लास का किराया 1,585 रुपये बताया गया है। वहीं ट्रेन संख्या 26403 में एसी चेयर कार का किराया 1,020 रुपये और एग्जीक्यूटिव क्लास का किराया 1,780 रुपये है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564